संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 349
पृष्ठ 8
शुक्रवार
11 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कर्नाटक घूमने के दौरान...
विचार- 457 साल बाद दुनिया का नक्शा...
खेल- हर्षित राणा अफगानिस्तान के खिलाफ...

टकराव नहीं सहयोग से होगा बदलाव, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

भारत सुरक्षित और सतत अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करता है

नई दिल्ली,एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया के सामने भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण रखा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज जैसे–जैसे अंतरिक्ष की कक्षाएं उपग्रहों से भर रही हैं, तकनीकें अधिक शक्तिशाली हो रही हैं और कई नए देश व एजेंसियां इसमें शामिल हो रही हैं, वैसे–वैसे दुनिया के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में हमारे फैसले बिल्कुल साफ होने चाहिए। हमें टकराव के बजाय सहयोग, थोड़े समय के फायदे के बजाय टिकाऊ विकास और किसी को बाहर करने के बजाय सबको साथ लेकर चलने का रास्ता चुनना होगा। भारत का अंतरिक्ष अभियान इसी सोच और सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने समिट में कहा कि भारत का नजरिया वसुधैव कुटुंबकम यानी एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विचार से जुड़ा हुआ है और अब इस भावना को धरती से आगे अंतरिक्ष तक ले जाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों, बातचीत और आपसी सहयोग पर आधारित एक सुरक्षित, शांत और टिकाऊ अंतरिक्ष व्यवस्था का मजबूती से समर्थन करता है। पीएम ने जोर देकर कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों और जानकारियों को पूरी ईमानदारी तथा खुलेपन के साथ सभी लोगों की भलाई के लिए साझा किया जाना चाहिए। भारत का पूरा अंतरिक्ष सफर इसी लोक–कल्याणकारी सोच को दर्शाता है और इसे पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहता है। इसरो की सफलता का राज क्या है और इसने दुनिया का भरोसा कैसे जीता? पीएम मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वैश्विक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि इसरो ने अपनी बेहतरीन और कम लागत वाली सटीक उड़ानों के दम पर पूरी दुनिया में जबरदस्त सम्मान कमाया है।

इसरो की क्षमताएं सीधे तौर पर हमारे किसानों और मछुआरों के जीवन को आसान बना रही हैं। यह मौसम की भविष्यवाणी करने, आपदा प्रबंधन और सटीक दिशा–दूरी बताने (नेविगेशन) में लगातार देश और दुनिया की सेवा कर रहा है। भारत के भरोसेमंद रॉकेटों के जरिए अब तक 34 देशों के 430 से अधिक उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं। इसरो की तकनीक और साझेदारियां केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के काम आ रही हैं। इस भरोसे के पीछे भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की पीढ़ियों की दिन–रात की कड़ी मेहनत और पसीना है, जिन्होंने एक–एक मिशन को सफल बनाकर भारत को दुनिया के अग्रणी अंतरिक्ष देशों की कतार में गर्व से खड़ा किया है।

नाबालिग लड़की के उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

किसी आरोपी को बचाया नहीं जाना चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल एक नाबालिग लड़की के उत्पीड़न के आरोपों को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी आपराधिक कार्रवाई करने के लिए पीड़ित या उसके परिवार को डराने–धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से लड़की की एफआईआर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा और इस मामले पर दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकारों से रिपोर्ट मांगी। बेंच ने कहा, ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अगर किसी बच्चे के खिलाफ हिंसा का मामला हो तो किसी को भी बचाया नहीं जाना चाहिए। अगर ऐसे कामों के आरोपी खुलेआम घूम रहे हों और बच्चे या उसके परिवार को डराने–धमकाने की कोशिश कर रहे हों ताकि वे आपराधिक कार्रवाई न करें, तो यह एक गंभीर मामला होगा। 14 साल की लड़की के वकील ने कोर्ट को बताया कि सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने वीडियो में दावा किया था कि उसने लड़की के पिता पर हमला किया था। इस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद लड़की को परेशान किया गया और उसके घर में तोड़–फोड़ की गई। बिना किसी का नाम लिए वकील ने कहा कि जो लोग आरोपी के साथ थे और कथित तौर पर कैमरे में कैद हुए थे, उन पर कार्रवाई करने के बजाय बच्चे के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली गई। वकील ने कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेश के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसा वीडियो रिकॉर्ड पर रखा जा सकता है जिसमें लड़की के घर पर पत्थरबाजी होती दिख रही है। वकील ने अपनी बात रखते हुए कहा, हाई–पावर्ड कमेटी को समय लगेगा, लेकिन अगर इस बीच बच्चे के साथ कुछ हो जाता है, तो कमेटी के जरिए उसे बाद में ठीक या बदला नहीं जा सकेगा। इस बात का जवाब देते हुए सीजेपी ने कहा, अगर ऐसे असामाजिक तत्व हैं जिन्होंने बच्चे के खिलाफ हिंसा की है। वे खुलेआम घूम रहे हैं और बच्चे को डरा–धमका रहे हैं, तो यह एक गंभीर बात हो सकती है। इससे पहले, 5 सितंबर को दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान नाबालिग एक्टिविस्ट के पिता पर कथित हमले के मामले में हिंदुत्व इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ एफआईआर में SC/ST (अत्याचार निवारण) एक्ट और आपराधिक धमकी देने की धाराएं जोड़ी थीं। कथित हमले के मामले में गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीजेपी द्वारा पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद भारद्वाज को बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था।

पीएम सरकार की लापरवाही ने ली जानें–खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को सागर जिले में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 31 लोगों की मौत के बाद बीजेपी के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार की आलोचना की। उन्होंने राज्य सरकार पर इंसानी जिंदगी की परवाह न करने और जिम्मेदारी न लेने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार भ्रष्टाचार की हदें पार कर चुकी है। उदासीनता और लापरवाही का आलम यह है कि अब इंसानी जिंदगी की भी कोई कीमत नहीं रह गई है। सागर जिले में जहरीली शराब से 31 लोगों की जान चली गई है। 11 लोग अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। खड़गे ने आगे कहा कि 31 परिवार बर्बाद हो गए हैं दृ किसी का बेटा चला गया, किसी के पिता, तो किसी के पति। लेकिन बीजेपी सरकार के लिए यह भी बस एक और 'हादसा' है। क्योंकि पिछले 22 सालों से बीजेपी सरकार का यही तरीका रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में जहरीली शराब, पानी और दवाओं से हुई मौतों की कई घटनाओं ने शासन की विफलता को उजागर किया है और दावा किया कि सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है।

सीएम योगी ने पंडित गोविंद वल्लभ पंत को किया याद, बोले

काकोरी के क्रांतिकारियों की मजबूती से की थी पैरवी

लखनऊ,संवाददाता। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान का उल्लेख करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी की पावन जयंती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह पंत जी की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान अधिवक्ता होने के साथ–साथ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन एक्शन के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने क्रांतिकारियों के खिलाफ जो अभियोग दर्ज किया था, उसके खिलाफ क्रांतिकारियों की पैरवी मजबूती के साथ करने वाले महान नेताओं में पंडित गोविंद बल्लभ पंत प्रमुख थे। उन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में बढ़–चढ़कर भाग लिया।

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 1937 में पंत जी को यूपी के प्रीमियर के रूप में चुना गया, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पद से इस्तीफा देकर स्वाधीनता आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखी। भारत छोड़ो आंदोलन समेत समय–समय पर हुए स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न बड़े आंदोलनों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में देश की आजादी के साथ पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था।

हरियाणा में लाभार्थियों की बल्ले-बल्ले!

नयी दिल्ली,एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने जुलाई महीने की सब्सिडी के तौर पर 19 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी है। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने वित्तीय भुगतान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि सरकार ने अब तक राज्य भर की 14 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खातों में 360 करोड़ रुपये जमा किए हैं। सैनी ने कहा कि आज हमने जुलाई महीने के लिए 19 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी बैंक खातों में जमा की है। आज जारी की गई रकम को मिलाकर, हमने अब तक राज्य में 14 लाख से ज्यादा बहनों के बैंक खातों में 360 करोड़ रुपये जमा किए हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में, नायब सिंह सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि महिला प्रतिनिधि सिर्फ गवाह नहीं, बल्कि बदलाव लाने वाली (आर्किटेक्ट) होती हैं। उन्होंने लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील, समावेशी और जवाबदेह बनाने के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। मुख्यमंत्री ने ये बातें मंगलवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'शी इज अ चेंज मेकर' (ैीम पे ं बींदहम डांमत) कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। इस वर्कशॉप में 20 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की महिला विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने हिस्सा लिया। अलग–अलग सेशन में विचार–विमर्श, इनोवेशन, विधायी प्रक्रियाओं, लीडरशिप, कम्युनिकेशन, पॉलिसी बनाने और चुने हुए प्रतिनिधियों की असरदार भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

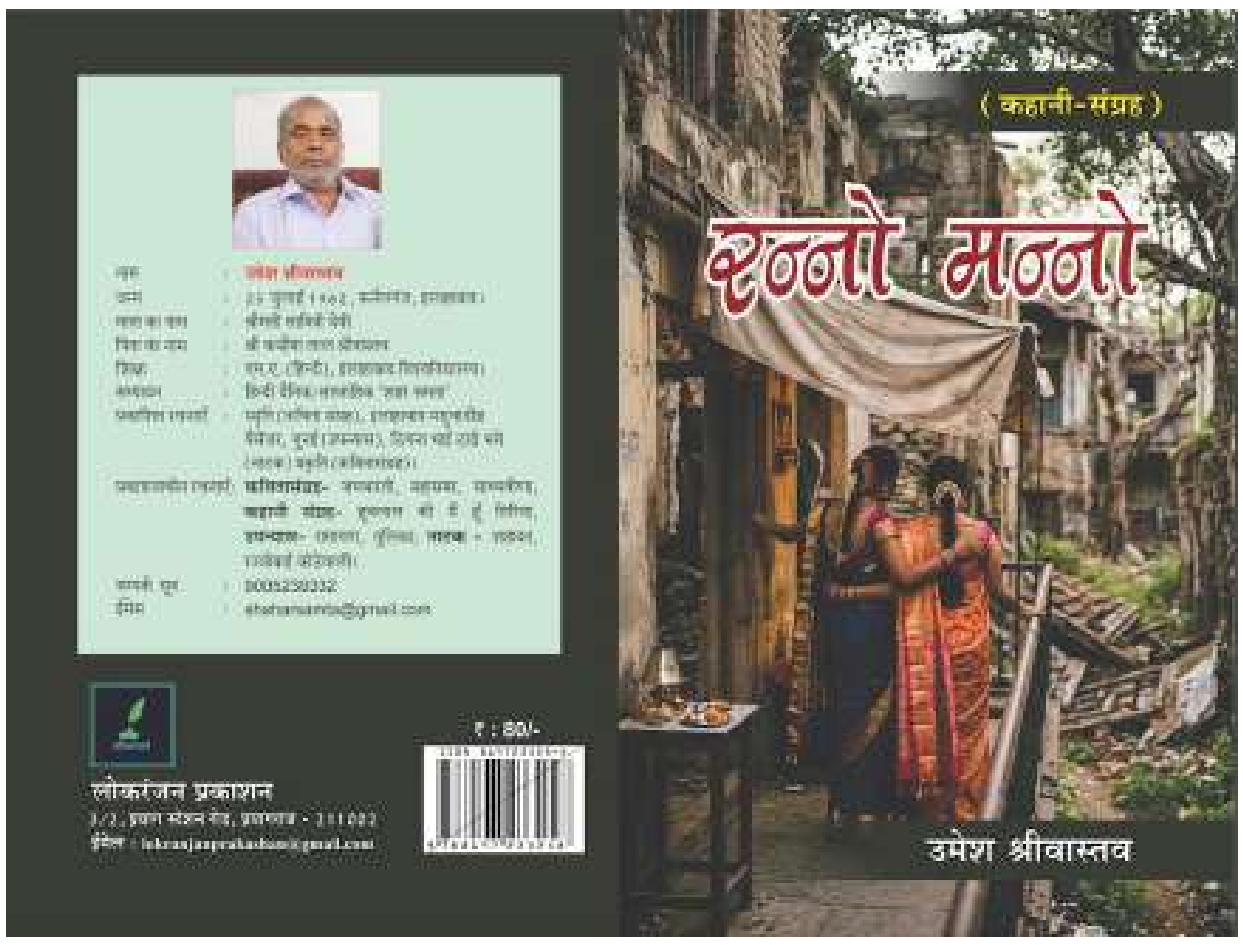

नगर निगम की बैठक में जलभराव को लेकर फूटा पार्षदों का गुस्सा, एक्सईएन के खिलाफ होगी कार्रवाई

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम सदन की बैठक में बृहस्पतिवार को जमकर हंगामा हुआ। शहर में जलभराव और गंदगी को लेकर पार्षदों की नगर आयुक्त और महापौर से तीखी बहस हुई। पार्षदों ने गंगा प्रदूषण इकाई के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रयागराज नगर

निगम सदन की बैठक में बृहस्पतिवार को जमकर हंगामा हुआ। शहर में जलभराव और गंदगी को लेकर पार्षदों की नगर आयुक्त और महापौर से तीखी बहस हुई। पार्षदों ने गंगा प्रदूषण इकाई के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पार्षदों ने कहा कि शहर में जलभराव के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सीवर सफाई न होने के कारण लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर गया है। पार्षदों ने इसको लेकर जमकर हंगामा किया। नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने अधिशासी अभियंता आशुतोष यादव से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। एक्सईएन के खिलाफ विभागीय जांच के लिए सदन में प्रस्ताव पास किया गया। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि नगर आयुक्त एक सप्ताह के भीतर स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लेंगे। सफाई और जलभराव पाए जाने पर एक्सईएन के खिलाफ एफआईआर कराएंगे।

यूपी टेटः संशोधित अंकपत्र 15 दिन में जारी करने का आदेश, अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टेट)–2019 के विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में याचियों को संशोधित अंकपत्र जारी करने के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टेट)–2019 के विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में याचियों को संशोधित अंकपत्र जारी करने के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकल पीठ ने अनुराधा और नौ अन्य की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया। मूल याचिकाओं में यूपी टेट–2019 के पांच प्रश्नों के उत्तरों को चुनौती दी गई थी। इनमें प्रश्न संख्या 35 (हिंदी), 83 (संस्कृत), 124, 139 और 144 (पर्यावरण अध्ययन) शामिल थे। याचियों का कहना था कि कुछ प्रश्नों में सभी विकल्प गलत होने के बावजूद एक विकल्प को सही घोषित किया गया, जबकि कुछ में गलत विकल्प को सही माना गया। पांच फरवरी 2024 के आदेश में कोर्ट ने पाया था कि प्रश्न संख्या 83 और 144 पर याचियों की आपत्तियां विशेषज्ञों ने सही मानी हैं। उन पर एक–एक अंक दिया जा चुका है। कोर्ट ने आदेश दिया था कि जिन याचियों को ये अंक नहीं मिले हैं, उन्हें इसका लाभ देकर नए सिरे से परिणाम घोषित किया जाए। वहीं, प्रश्न संख्या 35, 124 और 139 की संशोधित उत्तरकुंजी में हस्तक्षेप से कोर्ट ने इन्कार कर दिया था। सात सितंबर 2026 की सुनवाई में राज्य सरकार ने तीन सितंबर के आदेश प्रस्तुत किए। बताया गया कि याचियों के अंक बढ़ा दिए गए हैं। संशोधित अंकपत्र 15 दिन में जारी कर दिया जाएगा।

सब्जियों के दाम आसमान पर, परवल 100 रुपये पार, आम बजट बिगड़ा

प्रयागराज। सब्जियों की आवक घटने से दाम आसमान छू रहे हैं। परवल 100 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई है। थोक मंडी से फुटकर में सब्जियां दोगुने दाम पर बेची जा रही हैं। प्याज और आलू की कीमतें करीब डेढ़ गुना बढ़ गई हैं। सब्जियों की

आवक घटने से दाम आसमान छू रहे हैं। परवल 100 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई है। थोक मंडी से फुटकर में सब्जियां दोगुने दाम पर बेची जा रही हैं। प्याज और आलू की कीमतें करीब डेढ़ गुना बढ़ गई हैं। शहर की थोक मंडी मुंडेरा में दिल्ली, हरियाणा और नासिक से सब्जियों की आवक कम हुई है। नासिक से प्रतिदिन पांच ट्रक प्याज आ रहा है। कौशाम्बी और ग्रामीण अंचल से आने वाली हरी सब्जियां खेतों में पानी भरने से डूब गई हैं। फसल खराब होने का सीधा असर महंगाई के रूप में दिख रहा है। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, अगस्त की तुलना में सितंबर में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं।

फुटकर में मोहल्लों में प्याज 60 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है। थोक में इसकी कीमत 40 से 50 रुपये प्रतिकिलो है। आलू फुटकर में 18 से 20 रुपये और थोक में 10 से 15 रुपये प्रतिकिलो है। मुंडेरा मंडी समिति के अध्यक्ष सतीश कुशवाहा ने केंद्र सरकार से प्रतिदिन दस ट्रक प्याज भेजने की मांग की है।

जन्मदिन समारोह में शामिल होने गए युवक की करंट की चपेट में आने से मौत

प्रयागराज। बरहा कला ग्राम पंचायत के करन का तारा गांव में बुधवार रात एक जन्मदिन समारोह मातम में बदल गया। 28 वर्षीय मजदूर दिनेश पटेल की करंट लगने से मौत हो गई। दिनेश अपने घर के पड़ोस में आयोजित इस समारोह में शामिल होने गए थे।

रात करीब 8रू30 बजे वे कमरे में लगी विद्युत झालर के पास पहुंचे। झालर का तार कटा हुआ था, जिससे करंट प्रवाहित हो रहा था। दिनेश उसकी चपेट में आकर तार से चिपक गए। समारोह में मौजूद लोगों ने डंडे के सहारे उन्हें तार से अलग किया। परिजन उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिनेश मजदूरी कर अपने परिवार का पालन–पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी नीलम, बेटे ऋषभ और बेटी निधि का हाल बेहाल है।

प्रतियोगी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, 10 दिन से चल रहा धरना बलपूर्वक हटाया

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी शिक्षक भर्ती पुरानी नियमावली और पुराने पैटर्न से कराने की मांग को लेकर प्रयागराज में 10 दिन से चल रहा प्रतियोगी छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार देर रात पुलिस कार्रवाई के बाद समाप्त करा दिया गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने धरने और अनशन पर बैठे छात्रों को बलपूर्वक हटा दिया। कार्रवाई के बाद राजनीतिक दलों और नेताओं ने सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है।

10 दिन से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे प्रतियोगी छात्रों को बुधवार की देररात पुलिस ने बलपूर्वक हटा दिया। प्रदर्शनकारी टीजीटी–पीजीटी शिक्षक भर्ती को पुरानी नियमावली के तहत कराने की मांग को लेकर बैठे थे। देर रात बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे अधिकारियों ने धरने और अनशन पर बैठे प्रतियोगी छात्रों को खदेड़ दिया।

समाजवादी पार्टी मीडिया सेल कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सांसद चंद्रशेखर आजाद सहित तमाम पार्टियों और नेताओं ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पुलिस की इस कार्रवाई की निंदा की है। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि प्रतियोगी छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक ढंग से आंदोलन कर रहे थे। ऐसे में छात्रों के ऊपर बल प्रयोग करना तानाशाही है। विधानसभा चुनाव में छात्र इसका जवाब देंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज करने का आरोप

प्रतियोगी छात्र सुनील यादव ने बताया कि टीजीटी–पीजीटी भर्ती में छात्रों के हितों से जुड़े सवालों और अन्य महत्वपूर्ण मांगों को लेकर नौजवान आमरण अनशन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे। आधी रात करीब 1रू30 बजे पुलिस द्वारा लाठीचार्ज कर आंदोलन को तितर–बितर करने की कार्रवाई बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। आंदोलनरत छात्रों को स्वरूप रानी अस्पताल ले ले जाया गया। सवाल यह है कि अपने अधिकार और रोजगार की मांग कर रहे प्रतियोगी छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उन पर लाठियां क्यों बरसाई गईं।

यह दमन आंदोलन को खत्म नहीं कर सकता, बल्कि छात्रों के आक्रोश को और मजबूत करेगा। सरकार और प्रशासन को समझना चाहिए कि प्रदेश का नौजवान रोजगार और न्याय मांग रहा है, किसी से खैरात नहीं। आज की यह कार्रवाई सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सरकार पर साधा निशाना

प्रयागराज में अपने भविष्य और रोजगार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे टीजीटी–पीजीटी अभ्यर्थियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ बल प्रयोग किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

टीजीटी–पीजीटी अभ्यर्थी 5 सितंबर से पुराने नियमों के तहत भर्ती विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। नई नियमावली में पीजीटी भर्ती की पात्रता और परीक्षा प्रक्रिया में किए गए बदलावों का भी वे विरोध कर रहे हैं। कई अभ्यर्थी अन्न–जल त्याग कर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। ऐसे में सरकार को बल प्रयोग के बजाय छात्रों से बातचीत कर उनकी मांगों का समाधान निकालना चाहिए।

सरकार के इशारे पर पूरे शहर में धारा 163 लागू किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। सभी छात्रों से अपील है कि वे जहां हैं, वहीं रहें और अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें। वहीं, जो छात्र अभी लापता बताए जा रहे हैं, उन्हें तलाशने के लिए तत्काल प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री जी को छात्रों की जायज मांगें सुनकर उनके साथ न्याय करना चाहिए। लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे छात्रों के दमन के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

हमारी मांग है कि गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को तत्काल रिहा किया जाए, उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं और टीजीटी–पीजीटी अभ्यर्थियों की मांगों पर तत्काल बातचीत कर उचित समाधान निकाला जाए।

सीजेपी ने की कार्रवाई की निंदा

सीजेपी ने अपने पोस्ट में लिखा है कि – सरकार ने कल प्रयागराज में छात्रों को जबरन धरनास्थल से हटाकर खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। उत्तर प्रदेश सरकार अपने यहां छात्रों को सिर्फ बेरोजगार देखना चाहती है। लेकिन एक बात मैं स्पष्ट कर देता हूं कि कुछ भी कर लो पर ये सब करके अपने मंसूबे में कामयाब नहीं होंगे।

सपा ने भी सरकार पर साधा निशाना

सपा मीडिया सेल ने एक्स पर पोस्ट किया कि– रात के दो बजे पुलिस का बल प्रयोग करके प्रयागराज में टीजीटी पीजीटी प्रदर्शनकारियों को जबरन धरना से उठा दिया गया जो कि शर्मनाक है। यह सरकार हमारी आपकी आवाज नहीं सुनेगी। क्योंकि भाजपा सरकार अहंकारी है। इसलिए इस अहंकारी भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करना ही हमारा एक मात्र उद्देश्य है।

आप सांसद संजय सिंह ने सरकार पर कसा तंज

प्रयागराज में योगीराज या गुंडाराज?

60,000 शिक्षकों की भर्ती की मांग और माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती के नियमों में किए गए बदलावों के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भूख हड़ताल/धरने पर बैठे छात्रों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता देखिए।

रात 2 बजे छात्रों को गुंडों की तरह पीटा गया। लोकतंत्र में यह लाठी तंत्र आपके "तानाशाही शासन" के अंत का कारण बनेगा, योगी जी।

सोशल साइट को हथियार बनाकर फैला रहे एचआईवी, छह महीने में 12 नए मामले

प्रयागराज। सोशल साइट और डेटिंग एप के जरिए युवाओं को एचआईवी संक्रमण के जाल में फंसाने के आरोपों ने प्रयागराज में चिंता बढ़ा दी है। एसआरएन अस्पताल में काउंसलिंग के दौरान सामने आए मामलों में पीड़ितों ने बताया कि ऑनलाइन संपर्क के बाद आर्थिक मदद और भरोसे का लालच देकर उन्हें असुरक्षित यौन संबंध के लिए तैयार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बीते छह माह में ऐसे 12 मामले सामने आए हैं।

सोशल साइट को हथियार बनाकर युवाओं को संगठित तरीके से एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) संक्रमित बनाया जा रहा है। साइट्स पर पहले से सक्रिय प्रशिक्षित एचआईवी रोगियों के रडार पर ऐसे युवा हैं जो ऐसी सामग्री तलाशते हैं जो समाज में अच्छी नहीं मानी जाती। एक बार गिरफ्त में आए युवाओं को असुरक्षित यौन संबंध बनाने के लिए तैयार किया जाता है। फिर पॉजिटिव होने पर उनका भी इस्तेमाल नए शिकार को तलाशने के लिए किया जाता है।

प्रयागराज में ही बीते छह माह में 12 ऐसे मामले सामने आए, जिनमें सोशल साइट के जरिये युवाओं को इस बीमारी की गिरफ्त में डाला गया। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में काउंसलिंग के दौरान पीड़ितों ने चिकित्सकों को बताया कि किस प्रकार की साइट पर सर्च करने के बाद उनकी गतिविधियों में शामिल होकर वह संक्रमित हुए।

साइट पर काम कर रहे प्रशिक्षित एचआईवी रोगी पहचान छिपाकर युवाओं की आर्थिक मदद भी करते हैं। एक बार विश्वास हासिल करने के बाद युवाओं को असुरक्षित यौन संबंध स्थापित करने के लिए जाल में फंसाया जाता है। वह शर्म की वजह से किसी से अपनी तकलीफ नहीं बता पाते। समलैंगिक प्रवृत्ति वाले युवाओं में एचआईवी फैलाने का यह खेल पिछले तीन साल से चल रह है। माना जा रहा है कि इस वजह से भी साल दर साल एचआईवी पॉजिटिव होने के मामले बढ़ रहे हैं।

जबरन बनाया संबंध, फिर फोन बंद

केस–1 अस्पताल पहुंचे प्रतापगढ़ निवासी 22 वर्षीय युवक ने बताया कि डेटिंग एप की जानकारी उसे सोशल साइट से हुई। एप डाउनलोड करने के बाद उसे कई विकल्प मिले। इनमें डेटिंग का भी विकल्प था, जिसे चुनने के बाद उसे दो प्रोफेशनल लोग मिले। वापस सामान्य जिंदगी में लौटने का मन किया तो उसके साथ जबरन संबंध बनाया गया। उसने जांच कराई तो एचआईवी पॉजिटिव निकला। उन नंबरों पर फोन मिलाया तो बंद मिले।

केस–2 सोहबतियाबाग के 25 वर्षीय युवक ने बताया कि एप में लोग हर प्रकार की सहायता करते हैं। इनमें आर्थिक सहयोग भी शामिल है। उनकी बस एक शर्त होती है बिना सुरक्षा के संबंध बनाने की। वह गरीब का लड़का है, जिसे रुपये देकर राजी किया गया और खतरनाक बीमारी दे दी गई।

लक्षण दिखने पर होती है जानकारी

जब युवाओं में लक्षण सामने आते हैं, तब उन्हें एचआईवी की जानकारी होती है। ऐसे में कई युवाओं ने पॉजिटिव होने के बाद एप पर कार्रवाई करने का मन बनाया, लेकिन किसी से संपर्क नहीं हो सका। इसके अलावा शर्म के मारे युवा परिजनों से इसकी शिकायत नहीं कर पाते हैं।

साल दर साल बढ़े मामले

वर्ष 2023–24 में आठ मामले

वर्ष 2024–25 में 10 मामले

वर्ष 2025–26 में 12 मामले

अप्रैल 2026 से जुलाई तक 10 मामले

एचआईवी के लक्षण

बुखार और ठंड लगना, अत्यधिक थकान और कमजोरी, गले में खराश, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते, गर्दन या अन्य जगह सूजी हुई, लिम्फ नोड्स (गांठें), मुंह में छाले

एप को हथियार बनाकर एचआईवी पॉजिटिव करने के मामले सामने आए हैं। मरीजों की काउंसलिंग में इस बात की पुष्टि हुई है। अधिकतर संक्रमित समलैंगिक डेटिंग और फ्रेंडशिप एप्स से जुड़े हैं। – डॉ. अमृता चौरसिया, विभागाध्यक्ष, स्त्री रोग विभाग, मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज।

समलैंगिक समाज से जुड़े लोगों में शर्म व संकोच अधिक होता है। वह इस प्रकार की साइट के जाल में फंस जाते हैं। इन्हें झूठी हमदर्दी दिखाकर असुरक्षित यौन संबंध के लिए तैयार किया जाता है। –डॉ. राकेश पासवान, मनोचिकित्सक परामर्शदाता, कॉल्विन अस्पताल।

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत

प्रयागराज। हाईवे पर जगेपुर गांव के सामने बुधवार रात आठ बजे दो बाइक की टक्कर में कोना निवासी नवनीत द्विवेदी (22) की मौत हो गई। मिर्जापुर के जिगना यादवपुर गांव का प्रमोद सिंह (43) घायल है, जिसे शहर रेफर किया गया। प्रमोद सिंह प्रयागराज से अपने घर जा रहा था। उसकी अनियंत्रित बाइक सामने से आ रहे नवनीत की बाइक से टकरा गई। नवनीत मांडा के दिघिया में एक कंपनी से घर लौट रहा था। पुलिस ने दोनों को करछना देवरी के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने नवनीत को मृत घोषित किया। नवनीत अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और उसकी चार बहनें हैं। मेजा थाने के इंस्पेक्टर नितेंद्र शुक्ला ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दोनों क्षतिग्रस्त बाइकें कब्जे में ली गई हैं।

गोवंश को बचाने में पलटा पिकअप, चालक–खलासी घायल

प्रयागराज। नेशनल हाईवे पर लावारिस पशुओं के कारण हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बुधवार भोर रामफल इनारी पुलिस चौकी के पास सड़क पर अचानक आए सांड़ों के झुंड को बचाने के प्रयास में एक पिकअप अनियंत्रित होकर हाईवे की रेलिंग तोड़ते हुए नाले के किनारे पलट गया। हादसे में चालक और खलासी घायल हो गए। पिकअप लखीमपुर खीरी से प्लाई लादकर मऊआइमा की ओर आ रहा था। रामफल इनारी टोल प्लाजा चौकी के पास अचानक सड़क पर गोवंशों का झुंड आ गया। उन्हें बचाने के चक्कर में सीतापुर निवासी चालक रवि कुमार (20) ने नियंत्रण खो दिया। पिकअप रेलिंग तोड़ते हुए पलट गया। हादसे में चालक रवि कुमार और खलासी इमरान को चोटें आईं। दोनों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस की मौजूदगी में पलटी पिकअप में लदी प्लाई दूसरे वाहन में शिफ्ट कराई गई। हादसे में पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

गोशाला में जलभराव, कीचड़ से गोवंश बेहाल

प्रयागराज। विकासखंड के उमरिया बादल उर्फ गैंदा गांव स्थित गोशाला में 449 गोवंश बारिश के कारण परेशानी झेल रहे हैं। गोशाला परिसर में जलभराव और कीचड़ से गोवंशों को खड़े होने में भी दिक्कत हो रही है। बारिश से बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से उनकी सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अलावलपुर और जोगीपुर गोशालाओं के गोवंशों को उमरिया बादल गोशाला लाया गया है। वहीं, अब्दालपुर खास गोशाला के गोवंशों को शंकरगढ़ विकासखंड के सोनवर्षा स्थित गोशाला भेजा गया है।

गोवंशों की बड़ी संख्या में आमद के बाद उमरिया बादल की गोशाला में व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। गोशाला में भूसा तो दिखाई दिया, लेकिन हरे चारे का अभाव है। ग्राम प्रधान महेंद्र कुमार ने बताया कि गोवंशों को सुबह–शाम चरी खिलाई जा रही है। यह चरी करीब 10 किलोमीटर दूर से मंगवाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सैकड़ों गोवंशों को लाने से पहले पर्याप्त व्यवस्थाएं क्यों नहीं की गईं। बीडीओ सुभाष चंद्र ने बताया कि जल्द ही गोवंशों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दो दिन से लापता साइकिल मिस्त्री का कुएं में मिला शव

प्रयागराज। चकडीहा गांव निवासी साइकिल मिस्त्री निजामुद्दीन (42) का शव बुधवार सुबह कुएं में मिला। सोमवार रात दुकान से घर लौटते समय वह हादसे का शिकार हो गए थे। दो दिन तक कुएं में पानी और कचरे के बीच शव पड़ा रहा। बुधवार सुबह दुर्गंध उठने पर बड़ी भाभी मोहिशा ने कुएं में झांका तो घटना की जानकारी हुई। निजामुद्दीन पुत्र अब्दुल खालिद चिलबिला स्थित साइकिल की दुकान पर मरम्मत का काम करते थे। सोमवार रात करीब सात बजे वह दुकान से घर के लिए निकले थे। घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। इस दौरान पता चला कि दुकान से निकलकर वह राजापुर गांव स्थित डेयरी गए थे, जहां घर के लिए दूध खरीदा। इसके बाद गांव के पास पान की दुकान पर भी रुके थे। मंगलवार को परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश में जुट गए। बुधवार सुबह करीब सात बजे मोहिशा घर के बाहर सफाई कर रही थीं। कुएं से दुर्गंध आने पर उन्होंने अंदर देखा तो निजामुद्दीन का शव पड़ा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। ग्रामीणों के अनुसार, कुएं का दो दशक से इस्तेमाल नहीं हो रहा था। आसपास के लोग उसमें कूड़ा डालते थे, जिससे वह आधा पट चुका था। लगातार बारिश से कुएं में पानी भर गया था।

फिर से बढ़ने लगीं गंगा–यमुना, जलस्तर अभी खतरे के निशान से काफी नीचे, सभी तटबंध सुरक्षित

प्रयागराज। गंगा और यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है, हालांकि जलस्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे है लेकिन जलस्तर दोबारा बढ़ने के साथ कछारी इलाकों में रहने वालों की चिंता भी बढ़ने लगी है। गंगा और यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है, हालांकि जलस्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे है लेकिन जलस्तर दोबारा बढ़ने के साथ कछारी इलाकों में रहने वालों की चिंता भी बढ़ने लगी है। बुधवार रात आठ बजे यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 81.60 मीटर दर्ज हुआ। इसमें पिछले चार घंटों में तीन सेमी की वृद्धि देखी गई। गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.79 मीटर और छतनाग में 81.10 मीटर पर पहुंच गया। फाफामऊ में दो सेमी और छतनाग में एक सेमी की बढ़ोतरी हुई। एसटीपी बक्शी बांध पर जलस्तर 81.74 मीटर हो गया जिसमें दो–दो सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। शाम चार बजे यमुना का जलस्तर नैनी में 81.57 मीटर था। इसमें पिछले चार घंटों में चार सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। इसी समय गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.77 मीटर दर्ज हुआ। फाफामऊ में एक सेमी की वृद्धि देखी गई। वहीं, छतनाग में गंगा का जलस्तर 81.09 मीटर पर था। छतनाग में भी चार सेमी की बढ़ोतरी हुई। एसटीपी बक्शी बांध पर गंगा का जलस्तर 81.72 मीटर था। यहां दो सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। बीते दिनों जलस्तर तेजी से कम होने लगा था और जिन बस्तियों में पानी घुसा था वहां रहने वाले लोग अपने घरों में लौटने लगे थे लेकिन जलस्तर दोबारा बढ़ने से कछारी इलाकों में बाढ़ का खतरा फिर मंडराने लगा है। हालांकि, जलस्तर की रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे बना हुआ है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। जिले में बुधवार सुबह हुई आधी–अधूरी बारिश उमस पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकी। तापमान में मंगलवार की अपेक्षा 1.8 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। बारिश होने से हवाएं भी थम गईं। ऐसे में आर्द्रता का प्रभाव बढ़कर 65 फीसदी के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, 13 सितंबर तक इसी प्रकार का मौसम बना रहेगा। 14 व 15 सितंबर को आसमान साफ रहने का अनुमान है।

पाल 'प्रयागी' को मिला सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा/साहित्य सम्मान

प्रयागराज। साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री राम कैलाश पाल 'प्रयागी' को 'सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा/साहित्य सम्मान–2026' से सम्मानित किया गया।

उन्हें यह सम्मान काशी हिन्दी विद्यापीठ की ओर से प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में पाल 'प्रयागी' को सम्मान–पत्र, स्मृति–चिह्न एवं विद्या–वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत किया गया। यह सूचना पंडित राकेश मालवीय 'मुस्कान' ने दी। सम्मान प्राप्त होने पर साहित्य एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की। बधाई देने वालों में प्रदीप चित्रांशी, अजय मालवीय, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, अभिषेक केसरवानी, सुनील दानिश, शैलेन्द्र मधुर, मिली श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, एक के पाल, मंजू लता नागेश आदि रहे।

भयहरणनाथ धाम में हुआ सामूहिक भंडारा

परम्परा गत विशाल सामाजिक भंडारा 13 सितंबर को, हरितालिका तीज पर 14 को पूजन करेंगी हजारों महिलाएं

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गुरुवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य सामूहिक भंडारा का आयोजन राधा कृष्ण मन्दिर समिति द्वारा हुआ। वहीं परम्परागत सामाजिक भंडारा गत वर्षो की भाँति 13 सितंबर को मुख्य मन्दिर के पुजारी भोला नाथ तिवारी के संयोजन में क्षेत्रीय समाज व कांवरिया संघ द्वारा होगा। वहीं धाम में हरि तालिका तीज के अवसर पर तीज उत्सव होगा जिसमे हजारों निर्जला व्रती महिलाएं धाम पधार कर भोले बाबा का दर्शन पूजन करेंगी।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि आज के सामूहिक भंडारे में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने प्रतिभाग कर प्रसाद वितरित कर सभी को प्रोत्साहित किया। महासचिव ने बताया कि सामाजिक भंडारा व तीज के अवसर पर प्रबन्ध समिति सदस्यों, पुजारियों व सेवको तथा सभी संबन्धितो को सतर्क सहयोग की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही पुलिस प्रशासन से भी आवश्यक सहयोग की अपेक्षा की गई है। तीज उत्सव में महिलाओं को गत वर्षो की भाँति लोकभारती व वन विभाग के सहयोग से प्रसाद रूप में पौध वितरित होंगे।

उत्तरप्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा जारी परिणाम में कनिष्ठ सहायक के पद पर प्रथम प्रयाश में सिद्धार्थ शुक्ल ने मारी बाजी

प्रतापगढ़सराष्ट्रीय परशुराम सेना संस्थापक/अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप शुक्ल ने केंद्रीय कार्यालय शिवजीपुरम में अपने संगठन के

पदाधिकारियों के साथ किया सम्मान। सुकुलपुर निवासी रहेंद्र शुक्ल ADO AA खादी ग्रामोद्योग के सुपुत्र सिद्धार्थ शुक्ल ने आरक्षण की दीवार को तोड़ते हुए स्थापित किया कीर्तिमान।

हैलीपैड केवल विपक्ष के लिए ही खराब क्यों? बुलंदशहर दौरा रद्द होने पर भड़की सपा

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का 11 सितंबर का प्रस्तावित दौरा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग की अनुमति न मिलने की वजह से रद्द हो गया है। सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने बताया कि अखिलेश का 11 सितंबर का प्रस्तावित कार्यक्रम हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने की वजह से स्थगित हो गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की नई तिथि आने पर अवगत कराया जाएगा। नगर मजिस्ट्रेट जे. पी. पांडेय ने बताया कि तकनीकी जांच में मैदान को सुरक्षित लैंडिंग के अनुकूल नहीं पाया गया, इस वजह से हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे उनका कार्यक्रम रद्द करने का बहाना बताते हुए निष्पक्ष विशेषज्ञों से जांच कराकर सच सामने लाने की मांग की है। प्रकोष्ठ ने गुरुवार को एक्स पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाया गया एक वीडियो पोस्ट करते हुए सरकार पर तंज किया। प्रकोष्ठ ने पोस्ट में कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के हेलीकॉप्टर को उतारने की परमीशन न देना भाजपाई तानाशाही है, गुंडाराज है और लोकतंत्र तथा संविधान के साथ भाजपाई खिलवाड़ है। जनता इसका करारा जवाब भाजपा को देगी। भाजपा ने इस पर पलटवार करते हुए राजनीतिक दखलअंदाजी के आरोपों को खारिज किया है। भाजपा नेता और पार्टी की पश्चिमी उत्तर प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह सिसोदिया ने एक न्यूज एजेंसी से कहा कि अखिलेश यादव या उनकी पार्टी और समर्थकों के आरोप सही नहीं हैं। हेलीकॉप्टर और विमान की लैंडिंग के लिए मानक तय हैं और अगर उन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था तो स्थानीय अधिकारियों ने निश्चित रूप से अनुमति नहीं दी होगी।

ऑक्टा ने डीन को दिया ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

ऑक्टा शिक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजेगा पत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ (आक्टा) अध्यक्ष प्रो सुरेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने महाविद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में एक ज्ञापन डीन, सीडीसी प्रोफेसर अजय जेटली को दिया। आक्टा ने कहा है कि महाविद्यालय की कई समस्याएं वर्षों से लंबित पड़ी हैं, लेकिन महाविद्यालयों की उन समस्याओं को हल करने के लिए विश्वविद्यालय कोई भी कदम नहीं उठा रहा है। प्रोफेसर पद पर पदोन्नति हुए 2 वर्ष से अधिक बीत गए लेकिन अर्हता तिथि का निर्धारण अभी तक विश्वविद्यालय ने नहीं किया। अर्हता तिथि के निर्धारण के लिए एक कमेटी का गठन माननीय कुलपति ने नवंबर 2025 में किया था लेकिन आश्चर्य और दुख का विषय है कि आज तक इस संदर्भ में कोई भी सार्थक कार्य नहीं हुआ है। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के सैकड़ो अध्यापकों की नियुक्ति के दो वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें विनियमितिकरण संबंधी पत्र प्राप्त नहीं हुआ। कई संघटक महाविद्यालयों के शिक्षकों की पदोन्नति, मेडिकल और एलटीसी से संबंधित फाइलें विश्वविद्यालय में रुकी पड़ी हुई है। ऑक्टा लगातार इस संदर्भ में अधिकारियों को पत्र भेजता रहा है, लेकिन उसका कोई भी जवाब नहीं आता है। ऑक्टा अध्यक्ष प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कुलपति महोदया लगातार मिलने का समय मांगे जाने के बावजूद मिलने की अनुमति नहीं देती हैं। उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि इन समस्याओं के संदर्भ में उचित कदम एक सप्ताह के भीतर नहीं उठाए गए तो इस संदर्भ में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भी पत्र लिखा जाएगा और बहुत शीघ्र ही आंदोलन की रणनीति तैयार करके संघर्ष शुरू किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में ऑक्टा अध्यक्ष प्रो एस पी सिंह, उपाध्यक्ष डॉ विनीता मिश्रा, कोषाध्यक्ष डॉ हरीश चन्द्र यादव, पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर उमेश प्रताप सिंह, प्रो दीनानाथ, प्रो अंशुमाला मिश्रा, प्रो विवेक भदौरिया, डा आशीष मिश्रा, प्रो अनिल शुक्ला, डॉ रामशंकर सिंह, डॉ राजेंद्र यादव सहित संघटक महाविद्यालयों के अनेक शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

सी.एम.पी. डिग्री कालेज में तीन दिवसीय गहन मूटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम में नवप्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 10 सितंबर 2026 को तीन दिवसीय गहन मूटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में प्रारंभ किया गया है। उन्होंने विधि विद्यार्थियों में व्यावसायिक दक्षता, व्यावहारिक विधिक कौशल तथा न्यायालय में आत्मविश्वासपूर्वक अपनी बात प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर सदैव बल दिया है।

बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम की समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह ने कार्यक्रम की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री प्रीतिका तिवारी, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद का स्वागत एवं परिचय कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा विधिक शोध, प्रारूपण, तर्क प्रस्तुतिकरण एवं न्यायालयीन वकालत से संबंधित आवश्यक कौशल सीखने के इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाने के लिए

प्रेरित किया।

उद्घाटन सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा। विशेषज्ञ वक्ता सुश्री प्रीतिका तिवारी ने विद्यार्थियों को मूटिंग की प्रारंभिक समझ प्रदान करते हुए विधिक शिक्षा में उसके महत्त्व से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों की क्षमता का विकास करना तथा उनकी शैक्षणिक यात्रा के आरंभ में ही उन्हें विधि–व्यवसाय के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम संस्करण 12 सितंबर 2026 तक चलेगा। गहन मूटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय संस्करण मध्यावधि परीक्षाओं के उपरांत द्वितीय वर्ष से अंतिम वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

शाहपुर बांगर में डिजिटल क्रांति की दस्तक, गांव में खुली ज्ञान की नई खिड़की

'ज्ञानम् ज्योति' डिजिटल लाइब्रेरी का भव्य शुभारंभ, विद्यार्थियों को आनलाइन शिक्षा और ई–बुक्स की मिलेगी सुविधा

मथुरा/बलदेव। अब गांव के बच्चों की पढ़ाई की राह सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। शाहपुर बांगर ग्राम पंचायत ने डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम बढ़ाते हुए पंचायत सचिवालय में 'ज्ञानम् ज्योति' अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की है। यह लाइब्रेरी ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा, ई–बुक्स और विभिन्न डिजिटल संसाधनों तक पहुंच का नया माध्यम बनेगी। ग्राम पंचायत सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम प्रधान ओम प्रकाश एवं प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। लाइब्रेरी शुरू होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में आधुनिक शिक्षा के नए द्वार खुलने की उम्मीद जगी है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ओम प्रकाश ने कहा कि 'ज्ञानम् ज्योति' का उद्देश्य गांव के विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया से जोड़ना और उन्हें शिक्षा के आधुनिक साधन उपलब्ध कराना है। अब विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, ई–बुक्स और विभिन्न सूचनाओं के लिए शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने इसे ग्राम पंचायत के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने कहा कि डिजिटल दौर में शिक्षा के संसाधनों को गांव तक पहुंचाना समय की जरूरत है। इस तरह की पहल विद्यार्थियों की शैक्षिक क्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं और बदलती तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी के शुभारंभ को लेकर ग्रामीणों और विद्यार्थियों में उत्साह नजर आया। पंचायत की इस पहल को गांव में शिक्षा और तकनीकी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम में पंचायत सचिव विपिन विहारी कटरा, पूर्व सचिव अनु कुमार, अरुण शर्मा, विमलेश, पूनम शर्मा, रुपेन्द्र यादव, योगेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुमार ने किया।

प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की जनसेवा लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय–केशव

मोदी के 25 वर्ष के सेवाकाल और जन्मदिवस पर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा पखवाड़ा'
समीक्षा बैठक में अफसरों को दिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग की ऑनलाइन बैठक आहूत की हुई जिसमे प्रदेश के मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास तथा उपायुक्त वीबी–जी राम–जी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े साथ ही प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, मिशन निदेशक एवं संयुक्त मिशन निदेशक सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि खंड विकास अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी प्रत्येक गांव में प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन करें। पखवाड़े के दौरान 'आशीर्वाद का दीया', 'बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा दाता', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत यात्रा', 'सेवा ज्योति इंस्टॉलेशन', 'वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज', 'जनसेवा महाकुंभ' तथा 'सुशासन संवाद' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा आमजन की सक्रिय सहभागिता की जाए। सेवा मेरा योगदान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा भावना को मजबूत करने के साथ–साथ युवाओं को जॉब सीकर से जॉब गिवरश्बनाने की दिशा में प्रोत्साहित करने तथा नवाचार को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा करते हुए उनकी प्रगति रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराई जाए।

रहे मित्रता तौल

परेशान वे लोग बने जो सदा हिसाबी।
सच्चा है संदर्भ न इसको कहो किताबी।
रहे मित्रता तौल लाभ का लिए तराजू।
साथी के घर बैठ खा रहे किशमिश काजू।
जाँच परख से दूर हो रखे मित्र से मित्रता।
रहते हैं हरदम सुखी करे न कोई धृष्टता।।

अनुभव की है बात न इसको झूठा कहना।
दो माँ की औलाद एक हो कहते अपना।
कट जाती है रात सुलझती सभी पहेली।
भाई–सा हो मित्र बहन–सी मिले सहेली।
आपस के व्यवहार ही रिश्तो को पहचान दें।
संकट के भी दौर में जीवन को मुस्कान दें।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बाढ़ पीड़ितों को एक्सपायर्ड सीरप बांटने का आरोप तथ्यहीन, सीएमओ ने किया खंडन

लखनऊ (संवाददाता)। बाढ़ पीड़ितों को एक्सपायर्ड सीरप बांटे जाने के आरोपों को कानपुर नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी इन्द्रदेव सिंह ने तथ्यहीन बताया है। जांच के बाद सीएमओ ने स्पष्ट किया कि 02 सितंबर को आयोजित बाढ़ राहत कैम्प में ट्राइमेथोप्रिम एंड सल्फामेथॉक्साजोल आईपी सीरप का वितरण नहीं किया गया था। उन्होंने संबंधित खबर का खंडन करते हुए रिकॉर्ड और दवा के स्टॉक की स्थिति को आरोपों के विपरीत बताया। रिकॉर्ड के मुताबिक उक्त सीरप 2025 में ड्रग वेयरहाउस कानपुर नगर में प्राप्त हुआ था। मार्च 2025 तक सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सीरप वितरित किया जा चुका था।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः- 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/656 दिनांकः 09.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.। 230-क0वि0-कार्य ठेका-1045-2026

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल में कम्पोजिट इंसुलेटर (CD1050mm) को पोर्सिलेन इंसुलेटर से बदलने का कार्य।

अनुमानित लागतः रु. 8,35,04,736.28	बिड सुरक्षा राशिः रु. 16,70,100.00
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 01.10.2026, 14:00 बजे	बोली प्रणालीः एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 01.10.2026, 15:00 बजे	कार्य अवधिः 18 महीना

नोटः(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2072/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 Dated: 09.09.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

कैटरिंग

क्रम सं.: 1 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PRYJ-MPS-26-13
प्रचार का विवरणः 05 साल की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मल्टी पर्पस यूनिट्सः अलीगढ़ (1 स्थान), मानिकपुर (1 स्थान), प्रयागराज (1 स्थान), फतेहपुर (1 स्थान), फफूंद (1 स्थान)
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 17.09.2026 को 11:00 बजे

क्रम सं.: 2 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PRYJ-CATG-26-25
प्रचार का विवरणः 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयांः खागा (02 स्थान), नैनी (01 स्थान), नारायणपुर बाज़ार (02 स्थान), दादरी (01 स्थान), पनकीधाम (01 स्थान), सूबेदारगंज (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान), अलीगढ़ (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), इटावा (01 स्थान)
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 17.09.2026 को 11:00 बजे

क्रम सं.: 3 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PRYJ-CATG-26-26
प्रचार का विवरणः 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयांः हाथरस (01 स्थान), सोनभद्र (01 स्थान), सिराथू (02 स्थान), जलेसर सिटी (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान), भरवारी (02 स्थान), खुर्जा (02 स्थान), दादरी (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), सोनभद्र (02 स्थान), खागा (01 स्थान)
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 18.09.2026 को 11:00 बजे

क्रम सं.: 4 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः MSS-WVM-26-17
प्रचार का विवरणः 05 साल की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर वॉटर वेंडिंग मशीनेंः रूरा (04 स्थान), दनकौर (04 स्थान), चुनार (05 स्थान), अछनेरा (04 स्थान), फफूंद (04 स्थान), दादरी (06 स्थान), पनकीधाम (04 स्थान), भरथना (04 स्थान), मनौरी (04 स्थान), बराद (04 स्थान), मांडा रोड (02 स्थान), जलेसर सिटी (02 स्थान), बिंदकी रोड (04 स्थान), खुर्जा (05 स्थान), भरवारी (04 स्थान), मेजा रोड (03 स्थान), झिंझक (04 स्थान), वीरा (04 स्थान)
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 22.09.2026 को 11:00 बजे

क्रम सं.: 5 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः MSS-WVM-26-18
प्रचार का विवरणः अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए वॉटर वेंडिंग मशीनेंः फतेहपुर (07 स्थान), शिकोहाबाद (02 स्थान), सूबेदारगंज (02 स्थान), एटा (02 स्थान), हाथरस (02 स्थान), हमीरपुर (04 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), खागा (04 स्थान), सिराथू (04 स्थान), शंकरगढ़ (04 स्थान)
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 23.09.2026 को 11:00 बजे

क्रम सं.: 6 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PRYJ-RR-PCOI-26
प्रचार का विवरणः प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर 05 साल के लिए रिफ्रेशमेंट रूम
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 24.09.2026 को 11:00 बजे

पार्किंग

क्रम सं.: 1 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PARKG-MX-4STN
पार्किंग का विवरणः कानपुर अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड
अवधिः 01 वर्ष — ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 18.09.2026 को 12:00 बजे

क्रम सं.: 2 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PARKG-MX-4STN
पार्किंग का विवरणः सोनभद्र रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड
अवधिः 03 वर्ष — ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 18.09.2026 को 12:00 बजे

क्रम सं.: 3 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PARKG-MX-4STN
पार्किंग का विवरणः रूरा रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड
अवधिः 03 वर्ष — ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 18.09.2026 को 12:00 बजे

क्रम सं.: 4 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PARKG-MX-4STN
पार्किंग का विवरणः फफूंद रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड
अवधिः 03 वर्ष — ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 18.09.2026 को 12:00 बजे

क्रम सं.: 5 — ई-आक्शन कैटलाग संख्याः PARKG-CAR-MX
पार्किंग का विवरणः चुनार रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड
अवधिः 03 वर्ष — ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समयः 22.09.2026 को 11:00 बजे

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं।

महत्वपूर्ण सूचना:- (1) बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। (2) बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (ई-नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। (3) एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु.10,000.00 और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। (4) इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। (5) अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी)- नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। (6) रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (7) रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/वी पी को पट्टे पर देने से सम्बंधित है)। (8) सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। 2067/26 (A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नक्शा बदला, सोच नहीं

संयुक्त राष्ट्र की एक पहल के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच फिर से जम्मू–कश्मीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शुक्रवार को संरा महासभा ने दुनिया के मौजूदा नक्शे को बदलने के लिए वोटिंग की है, दावा है कि यह नक्शा अफ्रीका के आकार को ज्यादा सटीक रूप से दिखाता है। इस प्रस्ताव के समर्थन में 164 देशों ने वोट किया, जिसमें भारत भी शामिल है। छह देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, वहीं अमेरिका एकमात्र देश था, जिसने इस प्रस्ताव का विरोध किया। दरअसल माना जाता है कि वैश्विक मानचित्र में किसी देश का आकार और उसकी भौगोलिक स्थिति से राजनैतिक रसूख भी प्रभावित होता है। इसलिए अफ्रीका चाहता था कि नक्शे में सुधार हो, क्योंकि उसे उसके वास्तविक आकार से काफी छोटा दिखाया जाता था। इसलिए जब वोट देने की बारी आई तो भारत ने भी इसमें साथ दिया। मगर इस नए नक्शे में जम्मू–कश्मीर के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के हिस्से के तौर पर दिखाया गया है। इसी पर भारत ने अपनी आपत्ति जारी की है। रविवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि संरा की ओर से प्रस्तावित विश्व मानचित्र में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख केंद्र–शासित प्रदेशों को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए और कोई भी गलत या गुमराह करने वाला चित्रण स्वीकार्य नहीं होगा। बयान के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को समान क्षेत्रफल वाले विश्व मानचित्र से संबंधित एक प्रस्ताव पारित किया। इसका उद्देश्य ऐसे मानचित्र के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिसमें महाद्वीपों के भू–भाग के वास्तविक आकार को बनाए रखा जाता है। इस प्रस्ताव में किसी खास विश्व मानचित्र को अपनाया या प्रमाणित नहीं किया गया है। न ही इसमें राजनीतिक मानचित्र से जुड़े मुद्दों, जैसे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या जगहों के नामों पर कोई बात कही गई है। बयान में कहा गया है कि भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया और अपने वोट की वजह बताते हुए समान क्षेत्रफल वाले मानचित्रों के इस्तेमाल के मूल सिद्धांत पर जोर दिया। हालांकि बयान में कहा गया है, हमने इस बात पर भी जोर दिया कि यह प्रस्ताव किसी खास नक्शे, प्रोजेक्शन या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण का समर्थन नहीं करता है। जम्मू–कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों समेत भारत के संप्रभु क्षेत्र को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। गलत या भ्रामक तरी+के से किया गया कोई भी चित्रण स्वीकार्य नहीं है। भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर हमारा रुख स्पष्ट है और इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता है। भारत ने तो साफ कर दिया कि इस नक्शे को राजनैतिक मानचित्र की तरह नहीं देखा जा सकता और न ही ऐसी कोई कोशिश स्वीकार्य होगी। लेकिन पाकिस्तान ने इस मौके पर अपनी संकीर्ण स्वार्थी प्रवृत्ति का परिचय दिया। पाक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने कहा, श्पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के बेबुनियाद दावों को पूरी तरह खारिज करता है। भारत के दावे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त तथ्यों के उलट हैं। भारत की एकतरफा कार्रवाई और लगातार जारी अवैध कब्जा जम्मू–कश्मीर की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादित स्थिति को नहीं बदल सकतापाकिस्तान शायद यह बात समझ नहीं रहा है कि संरा के इस प्रस्ताव में देशों के राजनैतिक विवाद को सुलझाने या उलझाने का मकसद नहीं था। यह महज एक ऐतिहासिक और परंपरागत रूप से चले आ रहे नक्शे को इस तरह से सुधारना था जिसमें किसी देश के आकार को गलत न दिखाया जाए। इस प्रयास में किसी भी किस्म की राजनीति नहीं होनी चाहिए, लेकिन पाकिस्तान के हुक्मरान आदत से मजबूर हैं। गौरतलब है कि संरा में इस प्रस्ताव पर वोटिंग बाध्यकारी नहीं थी, लेकिन फिर भी अधिकतर देशों ने इसमें हिस्सा लिया। अब दुनिया भर की संस्थाओं की ओर से इस्तेमाल होने वाले दुनिया के नक्ष्शे में बदलाव देखने को मिलेंगे। दरअसल इस समय जो नक्ष्शा दुनिया में इस्तेमाल किया जाता है, वो 16वीं सदी का बना हुआ मर्केटर मानचित्र है, इसमें अफ्रीका का आकार ग्रीनलैंड के बराबर दिखाता है जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना ज्यादा बड़ा है। मर्केटर मानचित्र को 1569 में बेल्जियम के कार्टोग्राफर गेरार्डस मर्केटर ने डिजाइन किया था। समतल नक्ष्शे पर कोणों को सही रखने के लिए मर्केटर को भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाते हुए ग्रिड की रेखाओं के बीच की दूरी बढ़ानी पड़ी। भूमध्य रेखा, जीरो डिग्री अक्षांश पर स्थित एक काल्पनिक रेखा है। यह पृथ्वी को उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में बांटती है। मर्केटर के बनाए नक्ष्शे में पृथ्वी की गोलाई को इस तरह दिखाया गया है कि भूमध्य रेखा के पास के देश अपने असली आकार से काफी छोटे दिखाई देते हैं।

457 साल बाद दुनिया का नक्शा बदलने की तैयारी

ऋतुपर्ण दवे

दुनिया का नक्शा बदल रहा है, वह नक्शा, जो 457 साल से इस्तेमाल किया जा रहा है। निश्चित रूप से जिस तेजी से दुनिया बदली, विज्ञान बहुत आगे बढ़ा, हर रोज नई तकनीक आ रही है, अब आसमान से धरती का कोना–कोना निहारना नामुमकिन नहीं। ऐसे में भला इतने पुराने नक्शे को लेकर क्यों न आवाज उठे? नक्शा बदलने से वैश्विक भूभाग नहीं बदलेगा लेकिन जो कुछ खामियां थीं, उन्हें सुधारा जाएगा। यह एक तरह से गलत तरीके से दिखाए गए नक्शे को सही करना और सच सामने लाने जैसा है। विश्व में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला नक्शा 1569 में बनाया गया 'मर्केटर मानचित्र' है। इसे यूरोप के नक्शा बनाने वाले जेरार्ड्स मर्केटर ने इसलिए बनाया था, ताकि यूरोपीय खोजकर्त्ताओं को वैश्विक यात्रा के दौरान मदद मिल सके। लेकिन तब से अब तक सिवाय नक्शे के बहुत कुछ बदल चुका है। मर्केटर मानचित्र विशेषकर जहाजरानी, समुद्री नेविगेशन (दिशा और कोण सीधे रखने) के उद्देश्य से बनाया गया था, जिसमें एक खामी थी। नक्शे में भूमध्य रेखा से दूर उत्तर और दक्षिण में मौजूद देश आकार में बहुत बड़े दिखते हैं, जबकि भूमध्य रेखा के पास स्थित देश काफी छोटे दिखते हैं। मर्केटर नक्शे को और भी शुद्ध या अद्यतन किया जाना जरूरी है, जिसके लिए बाकायदा संयुक्त राष्ट्र महासभा यानी यू.एन.जी.ए. ने मतदान कराया। विभिन्न देशों ने एक ऐसे नए नक्शे को अपनाने के पक्ष में है। इस प्रयास को भले ही मानचित्र संबंधी मापदंडों को अद्यतन करने की सामान्य कोशिश बताया जा रहा हो, लेकिन अमरीका इसे एक व्यापक और अधिक कट्टरपंथी वैचारिक परियोजना का हिस्सा मानता है।

में ग्रीनलैंड और अफ्रीका एक ही आकार के दिखते हैं। जबकि असलियत में अफ्रीका 3.04 करोड़ वर्ग कि.मी. का है और ग्रीनलैंड 22 लाख वर्ग कि.मी. का, यानी अफ्रीका 14 गुना बड़ा है। अफ्रीका महाद्वीप इतना बड़ा है कि इसके भीतर संयुक्त राज्य अमरीका, चीन, भारत, जापान, मैक्सिको और पूरे पश्चिमी यूरोप को समाहित किया जा सकता है। यकीनन वोट किया, जो धरती के महाद्वीपों का बिल्कुल सही आकार दिखाए। इस मतदान में सिवाय अमरीका के किसी ने भी खिलाफ वोट नहीं किया, जबकि 6 देशों ने भाग नहीं लिया। अमरीका ने इसे एक वैचारिक एजेंडा और जरूरी वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने वाला कदम बताते हुए तर्क दिया कि यह प्रस्ताव इस संस्था के कार्य और उद्देश्य का उपहास करता दुनिया को वर्षों से एक नक्शे के जरिए देखने का नजरिया बदलने और सटीक करने की कोशिश आखिरकार 4 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान में कामियाब हुई। भारत सहित 164 देशों ने नए नक्शे के पक्ष में वोट किया, अकेले अमरीका ने विरोध किया। इस नक्शे को 'इक्वल अर्थकार्टोग्राफिक प्रोजेक्शन' के नाम से जाना जाता है। इस प्रस्ताव की अगुवाई कई अफ्रीकी देशों ने की थी। टॉगो ने अफ्रीकी संघ के समर्थन से लाए गए इस प्रस्ताव में कहा कि मर्केटर नक्शे की विकृतियों ने सदियों से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रह पैदा किए हैं। इसे संज्ञानात्मक न्याय और ऐतिहासिक सुधार का मामला बताया। 'इक्वल अर्थ प्रोजैक्शन' को 2018 में विकसित किया गया। इससे अन्य 'इक्वल एरिया' नक्शे महाद्वीपों के सापेक्ष आकार को बिल्कुल सटीक अनुपात में दिखाते हैं। भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया लेकिन साफ किया कि अगर कोई नया नक्शा बनेगा तो उसमें भारत का पूरा भूभाग सही तरीके से हो, खासकर जम्मू–कश्मीर और लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेश भारतीय आधिकारिक नक्शे के मुताबिक हों। इन्हें गलत या भ्रामक दिखाना मंजूर नहीं होगा। मर्केटर प्रोजैक्शन अभी भी शिक्षा, मीडिया, डिजिटल और सरकारी सामग्री में काफी उपयोग किया जाता है। गोल पृथ्वी को सपाट सतह पर दिखाने की कीमत क्षेत्रफल में विकृति के रूप में चुकानी पड़ती है। यह भूमध्य रेखा से दूर उत्तर और दक्षिण के इलाकों के आकार बिगाड़ देता है। इससे अफ्रीका, लैटिन अमरीका और दक्षिण एशिया के आकार छोटे लगते हैं और दुनिया का नक्शा असंतुलित नजर आता है। भारत ने पक्ष में वोट के साथ व्याख्या भी दी, जिसमें कहा कि प्रस्ताव बराबर क्षेत्रफल वाले मानचित्रण प्रतिनिधित्व सिद्धांत को बढ़ावा देता है लेकिन किसी खास नक्शे या सीमाओं का समर्थन नहीं करता। प्रस्ताव के पक्ष या विपक्ष में एस्टोनिया, जॉर्ज्जया, लिथुआनिया, मोल्दोवा, सार्बिया और यूक्रेन ने मतदान से परहेज किया। भारत ने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव का जम्मू–कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतर्राष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना–देना नहीं है। भारत ने अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और अपराक्रामय बताया, जो नक्शे में भी हो। अगले ही दिन पाकिस्तान ने अपनी आदत के मुताबिक भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू–कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए, जो न कभी स्वीकार्य थे, न होंगे। निश्चित रूप से नए युग और नए समय के मुताबिक गोल पृथ्वी का नया और सही नक्शा जरूरी है।

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना–सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि "यह युद्ध का युग नहीं है।" अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया है। एक संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी–पुतिन मुलाकात पर है। को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं।

तरफ रूस–यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है। वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान

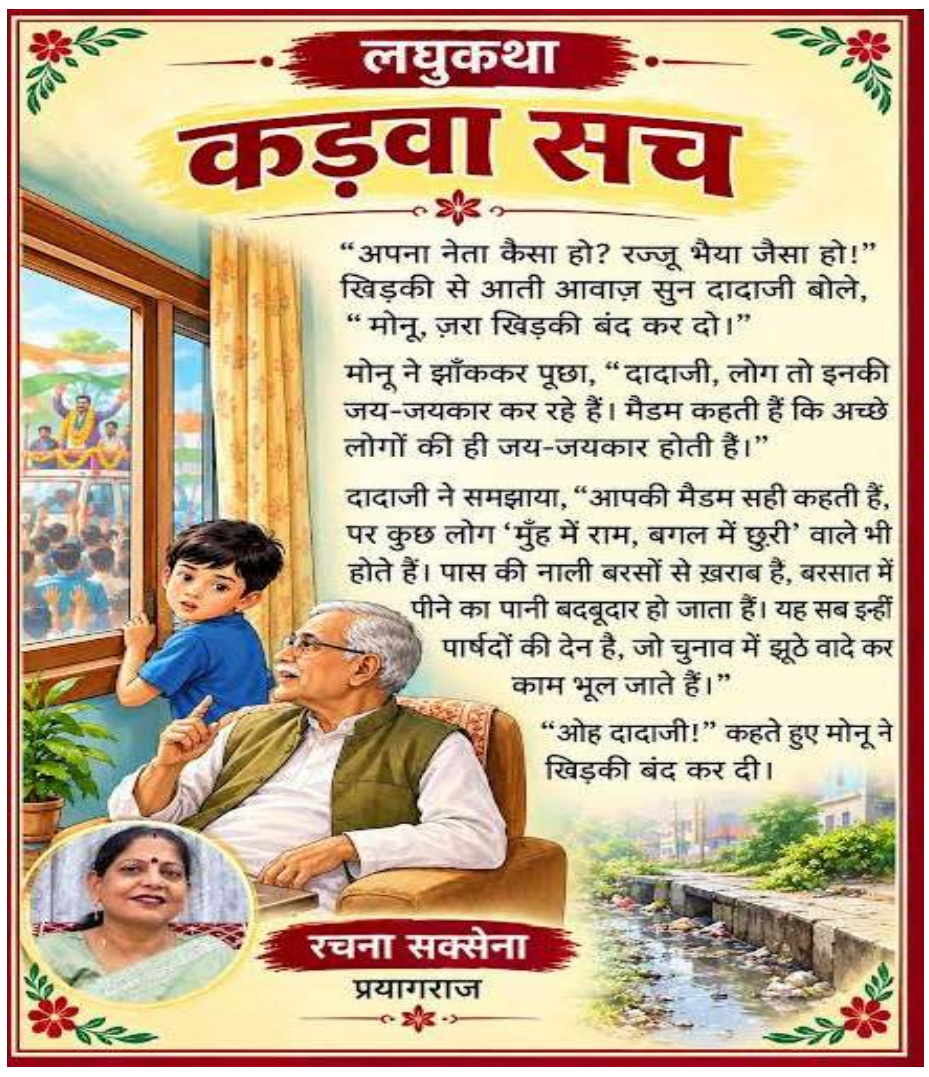

कॉकरोच से लगे झटके के बाद अपनी छवि सुधारने की तैयारी में मोदी

कल्याणी शंकर

खबरों के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और विदेश की कई चुनौतियों के बीच अपनी जनछवि को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। भारत जैसे विविध और बड़ी आबादी वाले देश के नेता के तौर पर, मोदी लोगों का मजबूत समर्थन बनाए रखने की अहमियत समझते हैं। जिन लोगों की वे सेवा करते हैं, उनकी बात सुनना भरोसा बढ़ाने और असरदार शासन सुनिश्चित करने के लिए बहुत जरूरी है। इंडिया टुडे और सीवोटर मूड ऑफ द नेशन सर्वे के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि मोदी की लोकप्रियता घटकर 49 प्रतिशत हो गई है। इसके मुकाबले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी की लोकप्रियता 27 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। चुनावी अनुमानों में, भाजपा के 24 लोकसभा सीटें हारने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को 26 सीटें अधिक मिल सकती हैं। इससे पता चलता है कि आर्थिक मुद्दे वोटरों की चिंताओं में सबसे ऊपर हैं। सच तो यह है कि उनकी जगह कोई दूसरा नेता नहीं ले सकता। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, और वोटरों की चिंताओं को दूर करने के लिए उन्हें अपनी सार्वजनिक छवि को नए सिरे से पेश करना जरूरी है। आर्थिक सुधार और नौकरियां पैदा करने पर जोर देने से उनके नेतृत्व में भरोसा फिर से कायम करने में मदद मिल सकती है। 2014 में पद संभालने के बाद से, मोदी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने उनके नेतृत्व के बारे में लोगों की राय और भरोसे को प्रभावित किया है। हालांकि इतने सालों में उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता काफी हद तक बनी रही है, लेकिन 2024 में उन्हें एक झटका लगा जब वे चुनावों में बहुमत हासिल नहीं कर पाए। 2029 के चुनाव में वे चौथी बार अपनी पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फिर भी, उनके नेतृत्व की जांच–परख हो रही है, खासकर आर्थिक मंदी, बढ़ती बेरोजगारी और कोविड–19 महामारी के बुरे असर जैसी बड़ी मुश्किलों के बीच। इन घटनाओं ने विपक्षी दलों, आर्थिक विशेषज्ञों और आम जनता की आलोचना को जन्म दिया है, जिससे उन नागरिकों में नाराजगी बढ़ी है जिनकी नौकरियां चली गईं और महामारी के लॉक डाउन के दौरान जिनके कारोबार बंद हो गए। हाल ही में, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सामने आने से वह और उनकी सरकार के लोग हैरान हैं। बुकर प्राइज विजेता लेखिका अरुंधति रॉय ने कहा है, पीएम मोदी की छवि, जिसे करोड़ों रुपये खर्च करके 24 सालों में बनाया गया था, उसे सीजेपी ने दो हफ्तों में ही बर्बाद कर दिया। मोदी के मुख्य लक्ष्यों में से एक है वैश्विक मंच पर अपनी छवि को बेहतर बनाना, खासकर तब जब भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में अहम भूमिका निभा रहा है। घरेलू मुद्दों के अलावा, मोदी जी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कुशलता से काम करना होगा। जैसे–जैसे भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि का असर राजनयिक संबंधों और विदेशी निवेश पर पड़ेगा। अपनी और भारत की छवि को बेहतर बनाने के लिए काम करके, मोदी एक ऐसे नेतृत्व तौर–तरीके पर जोर दे सकते हैं जो समझदार और लोगों से जुड़ा हुआ हो, जिससे वैश्विक राजनीति में भारत की अहमियत बढ़े। अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ जुड़ने और जरूरी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से कई मोर्चों पर एक काबिल नेता के तौर पर उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हो सकती है। आने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन मोदी को भारत और अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने का एक खास मौका देता है। सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं, जो भारत के बढ़ते प्रभाव और आर्थिक क्षमता को दिखाते हैं। मौजूदा आर्थिक संकट के कारण मोदी आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इन चुनौतियों का डटकर सामना करने के अपने संकल्प को दिखाकर, मोदी वोटरों को यह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि वे देश के भविष्य पर असर डालने वाले मुद्दों को हल करने के लिए कड़े फैसले लेने को तैयार हैं। मोदी के नेतृत्व के तौर–तरीके में मजबूत राष्ट्रवाद और फैसले लेने की क्षमता दिखती है, जिससे उन्हें वफादार समर्थक मिले हैं। हालांकि, अपनी अपील को व्यापक बनाने के लिए, उन्हें एक ऐसी छवि पेश करने की जरूरत हो सकती है जो एकता और विविधता पर जोर दे। क्योंकि राज्य के चुनाव राजनीतिक योजना और रणनीति से तय होते हैं, इसलिए ये बातें ज्यादा मायने रखती हैं। मोदी अवसंरचनात्मक विकास, डिजिटल बदलाव, कल्याणकारी कार्यक्रमों और स्वास्थ्य देखभाल, और शिक्षा में सुधार के मामले में अपनी सरकार की उपलब्धियों को उजागर कर सकते हैं। इन सफलताओं को दिखाने से एक नेता के तौर पर उनकी काबिलियत साबित हो सकती है और उनकी सार्वजनिक छवि मजबूत हो सकती है।

इन लक्ष्यों को पाने के लिए, मोदी कई तरह की संवाद और संचार रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें सोशल मीडिया, सार्वजनिक भाषण और स्थानीय मुद्दों से सीधे जुड़ना शामिल है। उनके भाषण देने के अंदाज और जनता से सीधे जुड़ने के तरीके के अच्छे नतीजे मिले हैं। उनके संदेशों में अक्सर सहानुभूति, तत्परता और जवाबदेही पर जोर दिया जाता हैकृये ऐसे गुण हैं जो वोटरों, खासकर जो मुश्किल समय में हैं, पर गहरा असर डालते हैं। निष्कर्ष के तौर पर, अपनी सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के मोदी के प्रयास आंतरिक चुनौतियों और बाहरी धारणाओं से निपटने की एक बहुआयामी रणनीति को दर्शाते हैं। जनभावना, आर्थिक हकीकत और वैश्विक स्थितियों को कुशलता से संभालकर, वह अपने नेतृत्व को मजबूत करना और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। लगातार बदलते राजनीतिक माहौल में प्रासंगिक बने रहने और समर्थन बनाए रखने के लिए किसी भी नेता के लिए यह व्यापक दृष्टिकोण जरूरी है, खासकर तब जब वह भविष्य की चुनावी चुनौतियों की तैयारी कर रहा हो। सबसे बड़ी बात यह है कि कोई दूसरा नेता ऐसा नजर नहीं आता जो उनकी लोकप्रियता से कहीं आगे हो। अपनी छवि को फिर से बनाने की मोदी की कोशिशें, अंदरूनी चुनौतियों और बाहरी धारणाओं, दोनों से निपटने की एक बहुआयामी रणनीति को दिखाती हैं।

अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों में, भाजपा का मकसद राज्य पर अपना कब्जा बनाए रखना होगा। दूसरे राज्यों में चुनाव जीतना भी जरूरी है। भाजपा की चुनावी मशीनरी लगातार काम करती रहती है। मोदीजी को यह पक्का करना चाहिए कि जनता उन्हें एक मजबूत नेता के तौर पर देखे। आने वाले राज्य चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होंगे। आने वाला साल प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा, दोनों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।

महज 22 साल की उम्र में इस मॉडल ने दुनिया को कहा अलविदा, 7 बार हो चुकी थी हार्ट सर्जरी

ग्लैमर इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। मॉडल और मिस ऑस्ट्रिया 2024 का खिताब जीतने वाली लुसिया सिसिक ने महज 22 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। निधन के समय भी उनके सिर पर मिस ऑस्ट्रिया का ताज था। लुसिया के अचानक हुए निधन की खबर से पूरी मॉडलिंग इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मिशन ऑस्ट्रिया ने जर्मन भाषा में एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिस ऑस्ट्रिया 2024 लुसिया सिसिक के निधन पर गहरा दुःख जताया। संस्था ने कहा कि वे इस दुखद खबर से बेहद सदमे में हैं और लुसिया हमेशा मिस ऑस्ट्रिया परिवार का अभिन्न हिस्सा रहेंगी। उन्होंने लुसिया को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की। ऑस्ट्रिया मीडिया के अनुसार, वर्ष 2024 में लुसिया के मिस ऑस्ट्रिया बनने के बाद यह प्रतियोगिता दोबारा आयोजित नहीं की है। इसी कारणवश, अपने अंतिम समय तक मिस ऑस्ट्रिया का ताज उन्ही के पास रहा। आपको बता दें कि लुसिया के निधन का आधिकारिक कारण अभी सामने नहीं आया है लेकिन स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों में उनकी पुरानी बीमारियों का उल्लेख किया गया है। खबरों के मुताबिक, लुसिया को जन्म से ही दिल के वॉल्व की समस्या थी। इस गंभीर बीमारी के कारन उन्हें जीवन में सात बड़ी हार्ट सर्जरी से गुजरना पड़ा था। साल 2017 में हुई एक जटिल सर्जरी के दौरान लुसिया की हालत इतनी गंभीर जो गई थी कि डॉक्टरों को उन्हें दोबारा होश में लाने के लिए रिससिटेशन करना पड़ा। इस प्रक्रिया के चलते उनके बाएं पैर और पंजे की नसों को नुकसान पहुंचा, जिसके बाद उन्हें फिर से चलना सीखने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी।

> “ इसी कारणवश, अपने अंतिम समय तक मिस ऑस्ट्रिया का ताज उन्ही के पास रहा। आपको बता दें कि लुसिया के निधन का आधिकारिक कारण अभी सामने नहीं आया है

`नयी नवेली' का शानदार टीजर रिलीज, यामी गौतम के नए अवतार ने बढ़ाई फैंस की एक्साइटमेंट

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो ने अपनी आगामी थिएट्रिकल फिल्म 'नयी नवेली' का ऑफिशियल टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर में फिल्म की फैंटेसी दुनिया के साथ फैमिली ड्रामा, ह्यूमर और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। फिल्म को आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है, जबकि बालाजी मोहन ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में यामी गौतम धर लीड रोल में नजर आएंगी। टीजर की शुरुआत एक साधारण परिवार से होती है, लेकिन जल्द ही कहानी एक दिलचस्प मोड़ ले लेती है। परिवार का जीजा अचानक दावा करता है कि उसकी 'भाभी डायन है।' इसके बाद घर में अजीबोगरीब घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है। टीजर में कई अनोखे किरदार और रहस्यमयी घटनाएं नजर आती हैं, जो फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हैं। 'नयी नवेली' में यामी गौतम धर बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आने वाली हैं। टीजर में उनका किरदार रहस्य और फैंटेसी से जुड़ा दिखाई देता है। फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है, जबकि इसका म्यूजिक जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। फिल्म में यामी गौतम के अलावा आदिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी, सोनल झा, सुनील सिन्हा, प्रतीक पचौरी, अक्षत सिंह, बबीता पांडे, अजय पाल और नीरज सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की कास्ट कहानी में कॉमेडी और फैमिली एंटरटेनमेंट का रंग जोड़ती नजर आ रही है। टीजर के अंत में कहानी को लेकर एक बड़ा सवाल छोड़ दिया गया है कि आखिर इस परिवार में चल क्या रहा है और यामी गौतम का किरदार असल में कौन है। 'नयी नवेली' फेस्टिव सीजन में दर्शकों को अपनी फैंटेसी और मनोरंजन की दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है। फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा से पहले पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलीम खान को मिला राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, पत्नी हेलन ने स्वीकार किया सम्मान

दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान को बुधवार को मुंबई में आयोजित 62वें महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रतिष्ठित राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उनकी ओर से यह पुरस्कार उनकी पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री हेलेन ने स्वीकार किया, जिन्होंने इस सम्मान और दर्शकों के प्यार के लिए बहुत आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए हेलेन ने कहा, ष्मैं सलीम साहब के लिए मिले इस पुरस्कार के लिए आभारी हूं। वे आप सभी प्यारे लोगों का बहुत–बहुत धन्यवाद करते हैं जो उन्हें फॉलो करते रहे हैं और उनका साथ देते रहे हैं। उनकी सभी फिल्में मेरी पसंदीदा हैं। उनकी सेहत बहुत अच्छी है। वे बहुत मजबूत इंसान हैं और उन्होंने आप सभी को, पूरे महाराष्ट्र और भारत को भी अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं।ष पुरस्कार समारोह में मौजूद सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने पुरस्कार पाने वालों के बारे में जानकारी दी। 62वां महाराष्ट्र राज्य मराठी फिल्म पुरस्कार समारोह रवींद्र नाट्य मंदिर में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लाइफटाइम अचीवमेंट और विशेष योगदान पुरस्कार प्रदान किए... यह वी. शांताराम की 125वीं जयंती है। इसलिए, वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट और विशेष योगदान पुरस्कार तथा राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट और विशेष योगदान पुरस्कार प्रदान किए गए। पंडित हृदयनाथ मंगेशकर को छत्रपति वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अभिनेता–निर्देशक प्रसाद ओक को छत्रपति वी. शांताराम विशेष योगदान पुरस्कार मिला। उन्होंने मीडिया को बताया कि अनुभवी पटकथा लेखक सलीम खान को श्राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्डश दिया गया। वहीं, अभिनेत्री रानी मुखर्जी को श्राज कपूर स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉर्डश से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रभादेवी के रवींद्र नाट्य मंदिर में रानी को यह अवॉर्ड दिया। अभिनेत्री ने राज कपूर के नाम पर बने अवॉर्ड को पाने के बारे में बात की और कहा कि अपने ही लोगों से मिली यह पहचान इस पल को और भी खास बनाती है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यही बात मेरे लिए इस पल को सचमुच खास बनाती है क्योंकि मुझे यह सम्मान अपने ही लोगों से और उस जगह से मिल रहा है जहां से मैं आती हूं। भारतीय सिनेमा के दिग्गज राज कपूर जी के नाम पर बने अवॉर्ड को पाना अपने आप में बहुत सम्मान की बात है। और मुझे सचमुच उम्मीद है कि मैं इस सम्मान के काबिल साबित हो पाऊंगी। रानी ने यह अवॉर्ड महाराष्ट्र और वहां की फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले लोगों को समर्पित किया इसलिए, गहरे आभार के साथ, मैं यह अवॉर्ड महाराष्ट्र को समर्पित करती हूं। वहां के लोगों को।

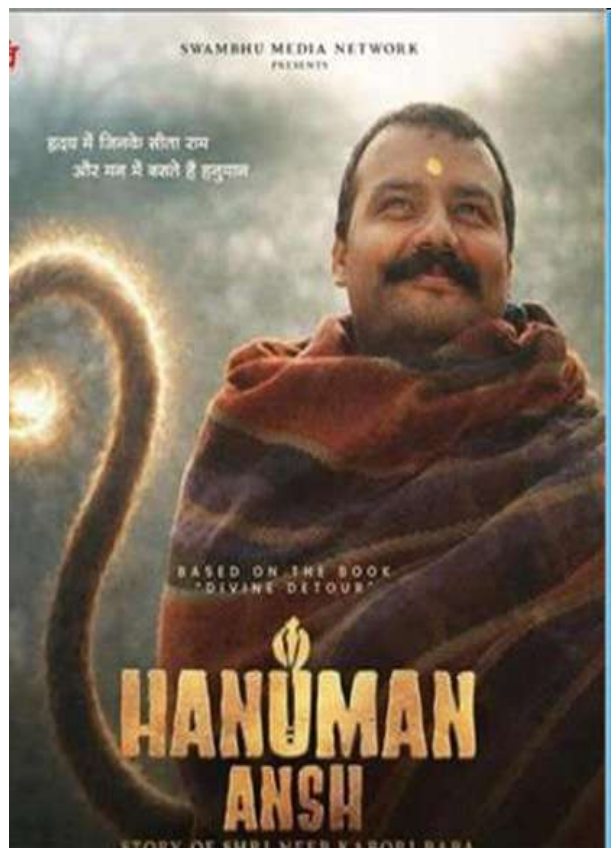

हनुमान अंश देखकर भावुक हुए तुषार कपूर, बोले– करीब 40 साल बाद देखी ऐसी भक्ति फिल्म, ऐसा लगा ईश्वर मेरे साथ हैं

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर ने बायोग्राफिकल भक्ति ड्रामा फिल्म ष्हनुमान अंशष देखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने शायद लगभग 40 साल बाद कोई भक्ति फिल्म देखी है, लेकिन कहानी की सादगी के आगे पुरानी क्लासिक फिल्में भी फीकी लगती हैं। तुषार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखारू ष्रुहनुमान अंश... एक खूबसूरत फिल्म जो आपको आपकी जड़ों से जोड़ती है और ऐसा महसूस कराती है जैसे आप ईश्वर की उपस्थिति में हों!ष उन्होंने आगे कहा, ष्मैंने शायद लगभग 40 साल बाद कोई भक्ति फिल्म देखी है, लेकिन कहानी और पटकथा की सादगी, ईमानदारी और बेहतरीन प्रस्तुति के आगे पुरानी क्लासिक फिल्में भी फीकी लगती हैं ! हनुमान अंश को डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने अपने बैनर, स्वंभू मीडिया नेटवर्क के तहत लिखा, निर्देशित और प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म उनकी किताब डिवाइन डिटूर दैट चेंज्ड माई लाइफ पर आधारित फिल्म ट्रिलॉजी (तीन फिल्मों की सीरीज) की पहली कड़ी है, जो नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित है। शोभिनव सत्या और चंदन आनंद इसमें मुख्य भूमिकाओं में हैं। पहली फिल्म आजादी से पहले के भारत में लक्ष्मी नारायण नाम के एक युवा लड़के के शुरुआती जीवन की कहानी है, जो अपनी मां की मृत्यु के बाद ईश्वर की खोज में घर छोड़ देता है। इसके बाद उत्तर भारत की उसकी यात्रा और नीम करौली बाबा के रूप में उसके बदलाव को दिखाया गया है। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और एक सरप्राइज ब्लॉकबस्टर साबित हुई। यह 2026 की आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है और अब तक की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली भारतीय फिल्म भी है क्योंकि इसे 2 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था। तुषार की बात करें तो उनकी आने वाली फिल्म अहमद खान की कॉमेडी फिल्म ष्वेलकम टू द जंगलष है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, मीका सिंह, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं। यह 2005 की अमेरिकी फिल्म द प्रोड्यूसर्स के साथ–साथ 2008 की अमेरिकी फिल्म ट्रॉपिक थंडर पर आधारित है।

'दृश्यम 2' को लेकर अभिनेत्री को था कैसा डर? ट्रेलर लॉन्च इवेंट में किया जिक्रय बोलीं– 'कोविड में सबने'

फिल्म 'दृश्यम 3' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अभिनेत्री तब्बू ने फिल्म 'दृश्यम 2' की रिलीज के समय को याद किया। उन्होंने बताया कि मोहनलाल के मलयालम वर्जन के लॉन्च होने के बाद लोगों ने इस फिल्म को लेकर कई तरह के सवाल किए। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तब्बू ने कहा, 'जब दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला था, वो महामारी के बाद का वक्त था। वहीं कोविड के दौर में मलयालम वर्जन पहले ही रिलीज हो चुका था। उस समय कई लोग और मेरे कुछ दोस्तें ने मुझसे कहा कि यह फिल्म तो पहले ही आ गई है, अब इसे कौन देखने जाएगा? यह मेरे लिए सच में बहुत चिंता की बात थी। मुझे भी लगा था कि शायद कोई देखने नहीं जाएगा। मैं भी बस इंतजार कर रही थी और देखना चाहती थी कि क्या होता है? आगे तब्बू ने बताया कि उन्हें भी काफी वक्त तक लगता रहा कि कोई भी फिल्म देखने नहीं जाएगा। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे सच में लग रहा था कि शायद कोई दूसरा पार्ट देखने नहीं जाएगा। मैं भी उस वक्त बहुत उलझन में थी, क्योंकि महामारी के तुरंत बाद का समय था और हमें भी नहीं पता था कि चीजें किस तरफ जाएंगी। उस दौरान सिनेमा के भविष्य को लेकर हर जगह चर्चा हो रही थी और काफी अनिश्चितता थी। तो मुझे भी लगता था कि शायद लोग ये फिल्म देखने नहीं जाएंगे, क्योंकि महामारी के दौरान सबने मलयालम वर्जन देख लिया है। तब्बू ने फिल्म 'दृश्यम 2' के बारे में आगे कहा, 'इस सबके बावजूद दूसरा पार्ट खूब सफल रहा। अब जब लोग पूछते हैं कि हमने मलयालम फिल्म देखी है तो हिंदी वाली देखें या नहीं?...तो मैं कहती हूं, अच्छा, देख लो, कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हमारी फिल्म एकदम अलग है और मैं इसे अलविदा नहीं कह रही हूं। जब तक कुमार जी और अभिषेक मुझे कागज पर लिखकर नहीं देते कि ये फिल्म कभी नहीं बनेगी, तब तक मैं विश्वास नहीं करूंगी कि ये फिल्म कभी नहीं बनेगी। क्या पता, कभी कुमार जी का फोन आ जाए। पहले भी अभिषेक ने एक शानदार तोड़ निकाला है इसके लिए ये अंजाम है।

कर्नाटक घूमने के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल, वरना बर्बाद हो सकती हैं आपकी ट्रिप

जब भी हम सभी घूमने का प्लान बनाते हैं, तो अक्सर केरल, गोवा और मुंबई का नाम हमारी लिस्ट में सबसे ऊपर होता है। लेकिन आपको बता दें कि कर्नाटक में भी घूमने व देखने लायक काफी चीजें हैं। उत्तर में बेलगाम से लेकर दक्षिण में बेंगलुरू तक आप यहां पर काफी कुछ एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शांत समुद्र तटों और स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में भगवान गोमतेश्वर की प्रतिमा को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां पर नेशनल पार्क और वाइल्डलाइफ सेंचुरी का मजा ले सकते हैं। इतना ही नहीं आप कर्नाटक में कुर्ग और कॉफी के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। कर्नाटक आने वाले पर्यटक कभी निराश नहीं होंगे। लेकिन कर्नाटक घूमने का प्लान बनाने के दौरान आपको कुछ छोटी–छोटी चीजों के बारे में खास ध्यान रखना चाहिए।

ट्रिप करें प्लॉन

कर्नाटक में देखने व एक्सपीरियंस करने के लिए काफी कुछ है। सिर्फ एक या दो दिन में कर्नाटक जैसे राज्य को एक्सप्लोर कर पाना काफी ज्यादा मुश्किल है। ऐसे में अगर आप भी ट्रिप का पूरा मजा लेना चाहते हैं, तो सबसे पहले अच्छे से ट्रिप को प्लान कर लें। ऐसे में आप एक लिस्ट बना लें कि आप ट्रिप के दौरान किन जगहों को देखना और घूमना पसंद करेंगे। ऐसे में आपका ट्रिप ज्यादा आसान बन जाएगा।

मौसम का जायजा लेना ना भूलें

इस राज्य में जून से सितंबर तक मानसून रहता है। इस समय कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हो सकती है। मसलन, मालेनाडु के पश्चिमी घाट में भारी बारिश तो वहीं उत्तरी कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होती है। ट्रिप के दौरान बारिश के कारण कोई परेशानी ना हो, इसलिए पहले से मौसम का जायजा लेना बेहतर होगा। वहीं बारिश का सामान अपने साथ जरूर ले जाएं। जिससे कि आपको कोई समस्या ना हो।

डॉक्यूमेंट्स हैं जरूरी

भले ही आप अपने देश के अंदर ही ट्रिप प्लान कर रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपने साथ ले जाना ना भूलें। ट्रेवल डॉक्यूमेंट्स, आधार कार्ड और अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट्स ले जाना ना भूलें। इन चीजों की सॉफ्ट कॉपी अपने ई–मेल आईडी या व्हाट्सएप में रख सकते हैं। इसके अलावा फोटोकॉपी भी रख लें। इससे आपको ट्रिप के दौरान कोई समस्या नहीं होगी।

एडवांस बुकिंग

सीजन के दौरान कर्नाटक में होटल आदि पहले ही बुक कर लिए जाते हैं, या फिर काफी ज्यादा महंगे होते हैं। ऐसे में कर्नाटक पहुंचने के बाद अगर आप होटल बुक करते हैं, तो आपको रूम मिलने में परेशानी हो सकती है। इसलिए आप एडवांस बुकिंग कर लें। इससे ज्यादा पैसै भी खर्च नहीं होंगे और आपका टाइम भी बचेगा।

इन मंदिरों के जरूर करें दर्शन

कर्नाटक में आप कई फेमस मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। हालांकि इन मंदिरों में दर्शन के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना पड़ेगा। कर्नाटक के मंदिरों में दर्शन के लिए जाते समय छोटे कपड़े ना पहनें। बता दें कि राज्य के ज्यादातर मंदिरों में छोटे कपड़े पहनकर जाने की अनुमति नहीं है। ऐसे में आप पैकिंग के दौरान इस बात का खास ख्याल रखें।

नीम से करें ब्लड शुगर कंट्रोल, खून भी होगा साफ

स्वाद में कड़वे नीम के पत्ते स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। भले ही इनका स्वाद कड़वा हो लेकिन इनमें पाए जाने वाले औषधीय गुण सेहत को कई तरह के फायदे देते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह उठकर खाली पेट नीम के पत्तों का सेवन करने से शरीर की कई बीमारियां दूर होती है। तो चलिए आपको बताते हैं इन पत्तों का सेवन करने से शरीर को और क्या–क्या स्वास्थ्य लाभ होते हैं...

खून होगा साफ

नीम में ऐसे कई सारे औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो खून को साफ करने में मदद करते हैं। यह खून में पाए जाने वाले टॉक्सिन्स को बाहर करके ब्लड डिटॉक्स करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर रहेगी कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों का संख्या भारत में बढ़ रही है। ऐसे में इस बीमारी को नियंत्रण करने के लिए आप सुबह खाली पेट नीम के पत्तों का सेवन करें। इससे आपका ब्लड शुगर कंट्रोल रहेगा।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

इन पत्तियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व जैसे विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा सर्दी, जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां को दूर करने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है।

पेट के लिए फायदेमंद

नीम पेट के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। इसमें पाए जाने वाले पित्तनाशक गुण एसिडिटी में बेहद लाभकारी माने जाते हैं। सुबह खाली पेट इन पत्तियों को उबालकर पीने से कब्ज, पेट दर्द, आंतों में मौजूद कीड़े बाहर निकलते हैं।

बुखार होगा कम

मानसून के बाद फैलने वाले डेंगू मलेरिया जैसी समस्याओं के लिए नीम के पत्ते बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इन पत्तियों में पाया जाने वाला गैंडनिन नाम का पोषक तत्व मलेरिया के तेज बुखार को कम करने में मददगार साबित होता है।

कैसे करें इन पत्तियों का सेवन?

नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर या फिर उससे निकलने वाले रस का सेवन आप कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पत्तियां ताजी हों। एक समय में ज्यादा मात्रा में पत्तियों का सेवन न करें। इसके अलावा यदि आप किसी तरह की बीमारी से जूझ रहे हैं तो डॉक्टरी सलाह पर इन पत्तियों का सेवन करें।

जरुरत से ज्यादा खाई हल्दी तो फायदे की जगह पहुंचेगा नुकसान, बरत लें सावधानी

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी का इस्तेमाल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के तौर पर किया जाता है। हल्दी का दूध, हल्दी का पानी और हल्दी से बना काढ़े का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। इसके फायदे तो आपने कई बार सुने होंगे लेकिन ज्यादा मात्रा में हल्दी का सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ता है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि जरुरत से ज्यादा हल्दी खाने से क्या–क्या समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

पेट संबंधी समस्याएं

हल्दी की तासीर गर्म होती है इसलिए सर्दी में इससे बना दूध सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है परंतु गर्मी में हल्दी का ज्यादा मात्रा में सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती है। पेट में जलन, सूजन और दर्द जैसी परेशानियां ज्यादा हल्दी का सेवन करने से हो सकती हैं।

सिरदर्द और बैचेनी

शोध की मानें तो खाने में ज्यादा हल्दी का सेवन करने से सिरदर्द और बैचेनी महसूस हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों में इसके लक्षण नहीं दिखते हैं परंतु शोध में यह बात सामने आ चुकी है जिन लोगों ने ज्यादा हल्दी का सेवन किया उन्हें सिरदर्द और बैचेनी जैसे लक्षण महसूस हुए हैं।

किडनी स्टोन

हल्दी में ऑक्सलेट पाया जाता है यह किडनी स्टोन को बढ़ाता है। इनसॉल्युबल कैल्शियम ऑक्सलेट में कैल्शियम को जमा कर देता है जिसके कारण किडनी स्टोन जैसी परेशानी पैदा हो सकती है। ज्यादा मात्रा में हल्दी खाने से पथरी का खतरा बढ़ता है।

उल्टी और दस्त

जरुरत से ज्यादा हल्दी खाने से स्वास्थ्य समस्या बढ़ सकती है। इसके कारण शरीर में पाचन संबंधी समस्या हो सकती है जिसके कारण उल्टी और दस्त जैसी परेशानियां हो सकती है और व्यक्ति का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ सकता है।

एलर्जी

हल्दी में पाए जाने वाले कुछ खतरनाक कंपाउंड्स के कारण शरीर में हल्दी का एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकता है। ज्यादा हल्दी खाने से सांस लेने में तकलीफ स्किन में आउटब्रेक हो सकते हैं। इसके अलावा त्वचा में रैशेज भी इसका ज्यादा सेवन करने से हो सकते हैं।

मुरझा रही हैं प्लांट्स की पत्तियां तो ऐसे करें उनकी देखभाल, फिर से हो जाएंगे हरे–भरे

हमारे घरों के आसपास मौजूद हरे–भरे पौधे कितने ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। लेकिन जब इनकी पत्तियां मुरझाने लगती हैं और प्लांट्स पीले पड़ने लगते हैं। तो यह अच्छे नहीं लगते हैं। लेकिन अगर इनकी पत्तियों के पीले पड़ने और प्लांट्स के मुरझाने का कारण पता चल जाए तो इनको मरने से बचाया जा सकता है। हालांकि कई बार हमें इसका कारण नहीं पता होता है कि ऐसा क्यों हो रहा है। अगर प्लांट की पत्तियां पीली हो रही हैं, तो इन्हें प्लांट से अलग कर दें। पत्तों के पीले होने का मतलब है कि वह अपना क्लोरोफिल यानि पिग्मेंट खो चुके हैं। बता दें कि एक बार पत्तियों का पिग्मेंट चला जाए तो उसे वापस नहीं पाया जा सकता है। ऐसे में अगर आपने भी अपने घरों में प्लांट्स लगा रहे हैं और उनकी पत्तियां पीली पड़ रही हैं। तो सबसे पहले ऐसा होने का कारण जानना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप प्लांट की हेल्थ के लिए क्या–क्या कर सकते हैं।

कीट की वजह से पीली होती हैं पत्तियां

पौधे की हेल्थ पर घर के अंदर की हवा भी प्रभाव डालता है। क्योंकि हवा ड्राई होती है तो पौधे में कीट काफी जल्दी लगते हैं। जिसके कारण पौधों में स्पाइडर माइट्स लगने लगते हैं। यह पत्तों के रस को चूसकर डिस्कलरेशन करता है। इसलिए सबसे पहले यह देख लें कि पत्तियों के नीचे महीन जाले तो नहीं लगे हैं। कीटनाशक सोप की मदद से एफिड्स और माइट्स को खत्म किया जा सकता है। इसके बाद घर के पौधों के आसपास नमी के स्तर को भी ह्यूमिडिफायर की मदद से बढ़ाया जा सकता है।

न्यूट्रिएंट्स की कमी से पीली होती हैं पत्तियां

मिट्टी से पौधों को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। यही वजह है कि पौधे को खाद और पानी देने की सलाह दी जाती है। लेकिन अगर इसके बाद भी प्लांट्स की पत्तियां पीली पड़ रही हैं, तो यह पौधे में पोषक तत्व की संकेत की कमी की तरफ इशारा करते हैं। पौधे की पुरानी पत्तियां पीली होने के साथ नई पत्तियां हल्की हरी हैं, तो यह नाइट्रोजन की कमी का संकेत हो सकता है। इसलिए पौधे को पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन दें और प्लांट्स को खराब होने से बचाएं।

धूप की कमी

कुछ पौधों को धूप की ज्यादा आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन इसके बाद भी उन प्लांट्स को थोड़ी देर धूप में रखना चाहिए। क्योंकि धूप पौधों को बढ़ाने में मदद करती हैं। ज्यादातर शेड में रहने वाले पौधों की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। इसलिए हर दिन 4–5 घंटे के लिए पौधों को धूप में जरूर रखें। पौधे को कई बार अचानक धूप में रखने से एडजस्ट होने में परेशानी हो सकती है। इसलिए थोड़ा सा वक्त लेने के बाद पौधा हेल्दी हो जाता है।

एजिंग की वजह से पीली हो सकती है पत्तियां

जिस तरह से उम्र बढ़ने पर हमारी स्किन पर इसका असर देखने को मिलता है। ऐसा ही प्लांट्स के साथ भी होता है। कई पौधों का एजिंग के कारण क्लोरोफिल खत्म होने लगता है, साथ ही उनकी पत्तियां भी पीली दिखने लगती है। इस कारण पौधों की पत्तियां खुद गिरने लगती हैं। हालांकि यह एक सामान्य प्रक्रिया भी होती है। लेकिन अगर आपका प्लांट मुरझाया हुआ है, तो इसके विकास के लिए मुख्य तने को थोड़ा– थोड़ा ट्रिम करके देखें।

ज्यादा या कम पानी

भले ही आपका पौधा हाई मेंटेनेंस वाला होता है, तो उसे ज्यादा पानी नहीं देना चाहिए। क्योंकि ज्यादा पानी मिट्टी के न्यूट्रिएंट्स भी खराब करता है। इसके कारण पौधों को नुकसान भी होता है। ऐसे में अगर आपके प्लांट्स की पत्तियां पीली हो रही हैं, तो प्लांट थेरेपिस्ट की भूमिका से आपको पता चलेगा कि पौधे को बहुत अधिक या बहुत कम पानी के कारण भी तनाव होता है। पौधे की नमी को देखने के लिए मिट्टी को उंगली से एक इंच तक दबाकर देखें। मिट्टी के आसानी से दबने का मतलब है कि मिट्टी नम है। ऐसे में पौधे को पानी की जरूरत नहीं है।

रीपॉटिंग भी हो सकती है वजह

कई बार पौधे की पत्तियां रीपॉटिंग के दौरान भी पीली पड़ सकती हैं। जब आप नर्सरी से नए पौधे घर रोपते हैं, तो हो सकता है इसकी पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्योंकि पौधा नए परिवेश में एडजस्ट होने के लिए समय लेते हैं। ऐसे में आप पौधे को उसकी जड़ों को जमने और पोषक तत्वों का स्रोत नई मिट्टी में खोजने का समय दें। इस दौरान पौधे को खाद नहीं देनी चाहिए। नए पौधे को एडजस्ट का समय देने के साथ ही रीपॉटिंग के लिए लगभग एक सप्ताह तक प्रतीक्षा करें।

संक्षिप्त

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 29,329 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में अगस्त का महीना निवेशकों के लिए काफी हलचल भरा रहा। अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में शुद्ध निवेश 19 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ 29,329 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीनों का उच्चतम स्तर है। जहां एक तरफ स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों में निवेशकों की भारी दिलचस्पी देखी गई, वहीं लार्जकैप फंडों से पूंजी बाहर निकलती नजर आई। बाजार के उतार–चढ़ाव के बीच यह रुझान स्पष्ट संकेत देता है कि निवेशक अब उच्च रिटर्न की उम्मीद में मिड और स्मॉल सेगमेंट पर दांव लगा रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने में इक्विटी ओरिएंटेड योजनाओं में शुद्ध निवेश 29,328.62 करोड़ रुपये (लगभग 29,329 करोड़ रुपये) दर्ज किया गया। इससे पहले जुलाई में यह आंकड़ा 24,697 करोड़ रुपये रहा था। अगस्त का यह इनफ्लो अप्रैल के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जब इक्विटी योजनाओं में 38,440 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश आया था। वहीं मई में 22,908 करोड़ रुपये और जून में 28,973 करोड़ रुपये का शुद्ध इनफ्लो दर्ज हुआ था। डेट स्कीमों से निकासी और कुल इनफ्लो में कमी के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग के एसेट अंडर मैनेजमेंट (असेट अंडर मैनेजमेंट) में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अगस्त के अंत में म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एयूएम बढ़कर 87.07 लाख करोड़ रुपये के नए स्तर पर पहुंच गया। जुलाई के अंत में यह आंकड़ा 85.75 लाख करोड़ रुपये था। यह वृद्धि दर्शाती है कि बाजार के पुनर्मूल्यांकन और निरंतर रिटेल भागीदारी के बल पर निवेशकों का कुल पोर्टफोलियो मजबूत बना हुआ है। अगस्त के आंकड़े साफ करते हैं कि भारतीय रिटेल निवेशक स्मॉल और मिडकैप शेयरों की वृद्धि क्षमता पर अपना भरोसा बनाए हुए हैं। हालांकि लार्जकैप से निकासी और डेट फंडों में उतार–चढ़ाव यह संकेत भी देते हैं कि निवेशक सतर्कता के साथ पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन कर रहे हैं। आगामी महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या स्मॉलकैप–मिडकैप का यह दबदबा कायम रहता है या निवेशक वापस लार्जकैप की ओर रुख करते हैं।

भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, कच्चे तेल के 100 डॉलर के पार जाने से किन सेक्टर पर दबाव?

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट खुला। सुबह 9:23 पर सेंसेक्स 36 अंक या 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,727.96 और निफ्टी 8.25 अंक या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,430.00 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में दबाव ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स पर देखा जा रहा है। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स टॉप लूजर्स थे। इसके बाद निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फार्मा, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी मेटल लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 114 अंक या 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,479 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 18 अंक की मामूली तेजी के साथ 20,055 पर था। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को लाल निशान में बंद हुए थे, जिसमें डाओ जोन्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। जानकारों ने कहा कि निफ्टी के 23,500 के रेजिस्टेंस लेवल से नीचे आने के कारण मार्केट की स्थिति कमजोर हो गई है। तकनीकी रूप से मार्केट में और गिरावट की आशंका है, और बुनियादी मैक्रो ट्रेंड्स भी बिगड़ते जा रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 101 डॉलर प्रति के पार चली गई है और यूएस के 10–साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.83 प्रतिशत हो गई है। इससे फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है, जिससे मार्केट में चिंताएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अच्छी स्थिति में है और चालू खाता घाटा भी नियंत्रण में है, लेकिन अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहती हैं, तो इसका असर इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ और कंपनियों की कमाई पर भी पड़ेगा।

निजी क्षेत्र में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉरपोरेट क्षेत्र में अहम पदों पर महिलाओं की भागीदारी लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। निजी हो या सरकारी कंपनी– यहां के निदेशकों में महिलाएं 29 फीसदी हैं। इनमें सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21प्रतिशत और निजी कंपनियों में 30प्रतिशत है। यही नहीं एक व्यक्ति वाली कंपनियों में भी महिलाओं की हिस्सेदारी 28प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कुछ श्रेणियों की कंपनियों के बोर्ड में एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है, जिसने महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा और पेशेवर अनुभव ने भी नेतृत्व के लिए महिलाओं का दायरा बढ़ाया है। हालांकि, सामाजिक स्तर पर कई बाधाएं बनी हुई हैं।

हर्षित राणा अफगानिस्तान के खिलाफ टी 20 सीरीज और एशियन गेम्स से बाहर, कौन बना रिप्लेसमेंट? बुमराह फिट

लंदन,एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज हर्षित राणा के लिए एक बार फिर चोट ने मुश्किल खड़ी कर दी है। राणा अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज और 2026 एशियन गेम्स दोनों से बाहर हो गए हैं। राणा बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने के बाद वापसी की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, सात सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते हुए उनकी मांसपेशियों में फिर से खिंचाव हो गया। इसके बाद उन्हें दोनों आगामी अभियानों से बाहर कर दिया गया है। वहीं, जसप्रीत बुमराह फिट घोषित कर दिए गए हैं। बीसीसीआई ने जो अपडेटेड टीम जारी की है, उसमें किसी पर भी स्टार नहीं लगा है। बुमराह से पहले बुधवार को नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर ने भी फिटनेस टेस्ट पास किया था और फिट घोषित किए गए थे। हर्षित राणा की जगह विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया है। ठाकुर इससे पहले भी भारतीय टीम के आसपास रहे हैं। 27 वर्षीय यश ठाकुर ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने दो मैच खेले और चार विकेट हासिल किए। घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। यश ने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 81 विकेट लिए हैं और इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 7.04 रही है। यश को पहली बार भारत की सीनियर टीम के साथ लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट में मौका मिला है। यश के आने से भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के साथ एक और विकल्प जुड़ गया है। बुमराह की फिटनेस मंजूरी भी टीम के लिए बड़ी राहत है। वह अफगानिस्तान टी20 सीरीज के साथ एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। दोनों असाइनमेंट में श्रेयस अय्यर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका में होंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को दिल्ली में खेली जाएगी। तीनों मुकाबले अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। हर्षित राणा अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और एशियन गेम्स से बाहर, कौन बना रिप्लेसमेंट? बुमराह फिट टीम इंडिया के तेज गेंदबाज हर्षित राणा नई चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और एशियन गेम्स से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को शामिल किया गया है। वहीं, जसप्रीत बुमराह फिट घोषित किए गए हैं और दोनों आगामी अभियानों के लिए उपलब्ध रहेंगे। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज हर्षित राणा के लिए एक बार फिर चोट ने मुश्किल खड़ी कर दी है। राणा अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज और 2026 एशियन गेम्स दोनों से बाहर हो गए हैं। राणा बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने के बाद वापसी की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, सात सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते हुए उनकी मांसपेशियों में फिर से खिंचाव हो गया। इसके बाद उन्हें दोनों आगामी अभियानों से बाहर कर दिया गया है। वहीं, जसप्रीत बुमराह फिट घोषित कर दिए गए हैं। बीसीसीआई ने जो अपडेटेड टीम जारी की है, उसमें किसी पर भी स्टार नहीं लगा है। बुमराह से पहले बुधवार को नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर ने भी फिटनेस टेस्ट पास किया था और फिट घोषित किए गए थे। हर्षित राणा की जगह विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया है। ठाकुर इससे पहले भी भारतीय टीम के आसपास रहे हैं। 27 वर्षीय यश ठाकुर ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने दो मैच खेले और चार विकेट हासिल किए। घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। यश ने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 81 विकेट लिए हैं और इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 7.04 रही है। यश को पहली बार भारत की सीनियर टीम के साथ लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट में मौका मिला है। यश के आने से भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के साथ एक और विकल्प जुड़ गया है। बुमराह की फिटनेस मंजूरी भी टीम के लिए बड़ी राहत है। वह अफगानिस्तान टी20 सीरीज के साथ एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। दोनों असाइनमेंट में श्रेयस अय्यर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका में होंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को दिल्ली में खेली जाएगी।

शरणार्थी समझ होटल घेरने पहुंचे प्रदर्शनकारी: अंदर निकली पाकिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम

पोर्ट्समाउथ,एजेंसी। इंग्लैंड के पोर्ट्समाउथ में पाकिस्तान की अंडर–19 क्रिकेट टीम के साथ मैदान से बाहर ऐसी घटना हुई, जिसने सभी को हैरान कर दिया। जिस समूह को देखकर प्रदर्शनकारी होटल के बाहर पहुंच गए थे, वह कोई शरण मांगने वाले लोगों का दल नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अंडर–19 क्रिकेट टीम थी। मामला तब साफ हुआ, जब पुलिस और स्थानीय पार्षद ने स्थिति की जानकारी जुटाई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को अपनी गलती का पता चला और भीड़ वहां से चली गई। यह पूरा मामला मंगलवार शाम पोर्ट्समाउथ के मैरियट होटल के बाहर हुआ, जहां पाकिस्तान की अंडर–19 टीम ठहरी हुई थी। विदेशी नागरिकों के एक समूह के कोच से पहुंचने की अफवाह ऑनलाइन फैलने के बाद करीब 30 से 40 लोग होटल के बाहर जमा हो गए। शाम करीब साढ़े छह बजे से पहले पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी लेने के बाद पता लगाया कि जिस समूह को लेकर प्रदर्शनकारी पहुंचे थे, वह वास्तव में पाकिस्तान की अंडर–19 क्रिकेट टीम थी। मामले को शांत कराने में रिफॉर्म पार्टी के पार्षद जॉर्ज मैडग्विक ने मदद की। उन्होंने होटल से संपर्क किया और पाकिस्तान की टीम के कोच से बात की। इसके बाद उन्होंने बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों को समझाया कि उन्होंने गलत समूह को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मैडग्विक ने द गार्जियन से कहा, श्मैंने टीम के कोच से बात की, जो काफी समझदार थे। मैं प्रदर्शनकारियों के पास गया और उनसे कहा, आप लोगों से गलती हो गई है, यह एक क्रिकेट क्लब है। वे कुछ ही मिनट में वहां से चले गए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गलतफहमी की शुरुआत एक तस्वीर से हुई। एक कोच से लोगों के उतरने की तस्वीर ऑनलाइन साझा की गई और उसके बाद वहां मौजूद लोगों की पहचान को लेकर अनुमान लगाए जाने लगे। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं थी कि वे शरण मांगने वाले लोग थे। मैडग्विक ने बीबीसी से कहा, श्ऑनलाइन किसी ने लोगों के एक समूह को देखा, जो विदेशी नागरिकों जैसा लग रहा था। उन्होंने कोच से उतरते हुए लोगों की तस्वीर ऑनलाइन डाल दी और यहीं से यह बात शुरू हुई। यह सिर्फ अनुमान था, इसका सच्चाई या तथ्य से कोई लेना–देना नहीं था।

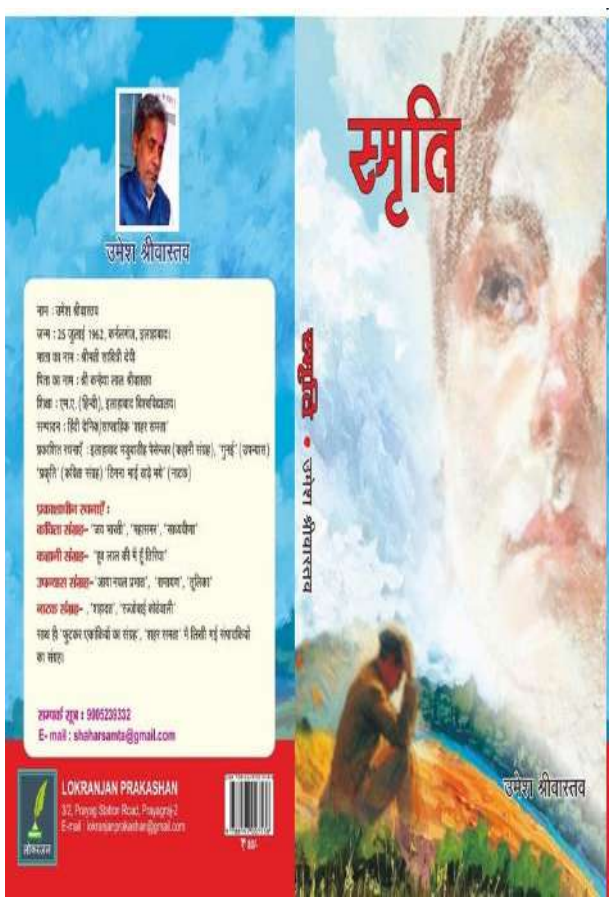

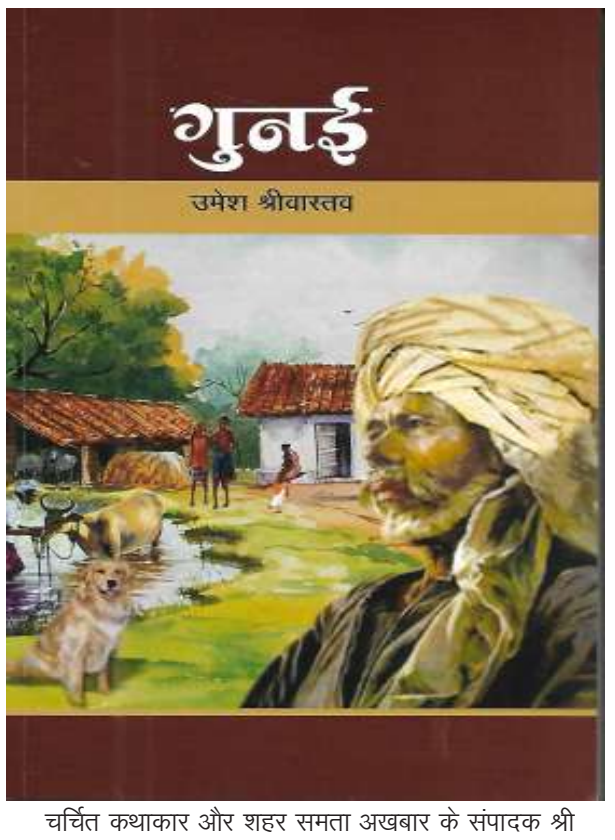

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

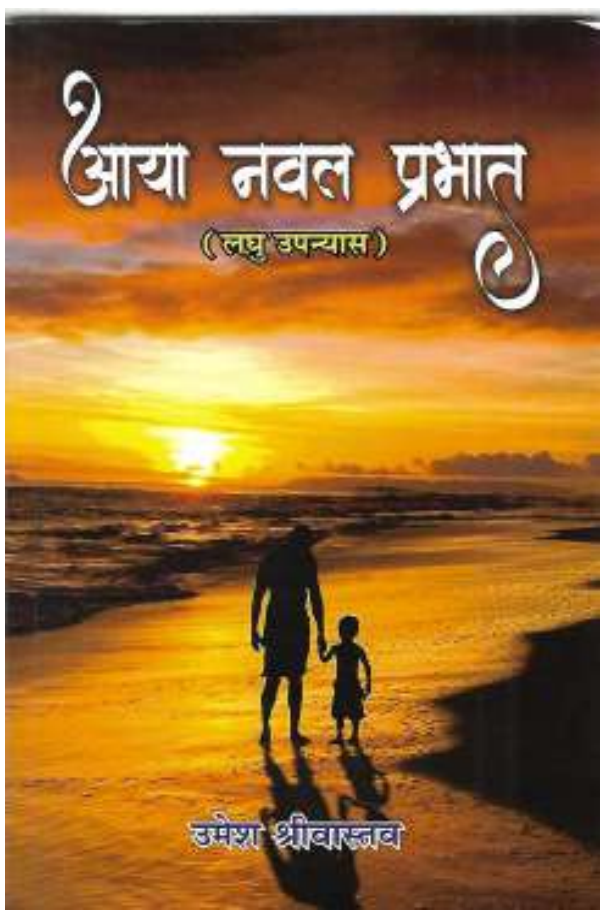

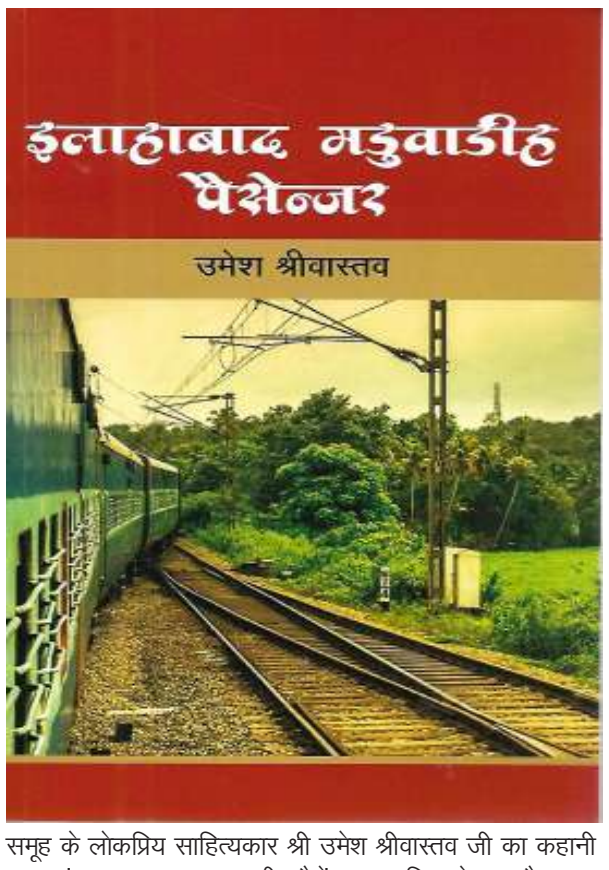

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

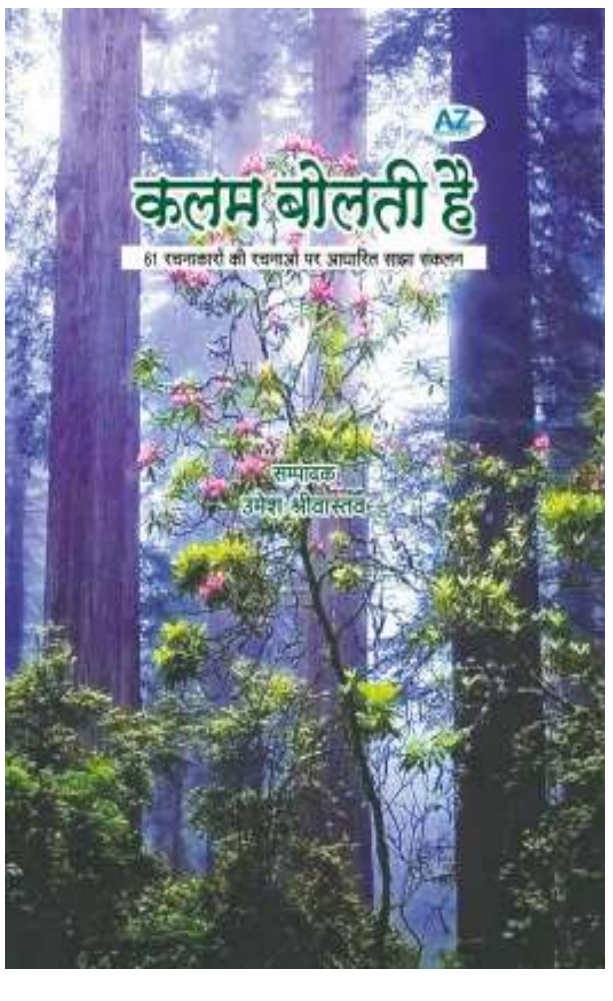

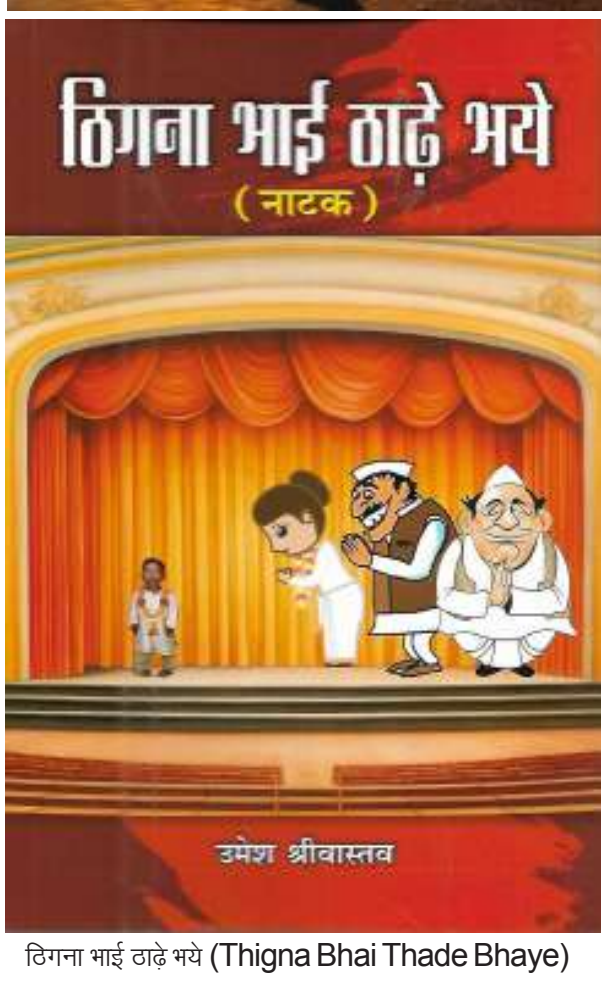

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारतीय ड्राइवरों पर अमेरिका में नस्लीय टिप्पणी, डीएचएस के विज्ञापन पर मचा बवाल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के 'मिस्टर सिंह' वाले एआई विज्ञापन पर विवाद हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और सिख कोएलिशन ने इसे नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताया। संगठनों का कहना है कि 'सिंह' सरनेम को निशाना बनाना गलत है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) के एक विज्ञापन में 'मिस्टर सिंह' से खुद देश छोड़कर जाने के लिए कहा गया, जिससे विवाद खड़ा हो गया। अधिकार समूहों ने इसे नस्लवादी और अमेरिका–विरोधी बताया। डीएचएस ने बिना लाइसेंस वाले व्यावसायिक ड्राइवरों के खिलाफ अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए एक्स ऐप पर एआई–जनित तस्वीरों का इस्तेमाल किया, जिसमें एक भूरी दाढ़ी वाले व्यक्ति को दिखाया गया था। वहीं, इसकी टैगलाइन थी 'हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह, आपको गाड़ी चलाना नहीं आता।' एक्स पर इससे संबंधित पोस्ट में एक छोटा वीडियो क्लिप दिखाया गया है जिसमें ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइजी का मुख्य खलनायक मेगाट्रॉन, एलियंस की रिहाई के लिए बातचीत कर रहा है। ह शब्द अमेरिकी प्रशासन विदेशी नागरिकों के लिए इस्तेमाल करता है। मेगाट्रॉन को ट्रक ड्राइवरों हरजिंदर सिंह, राजिंदर कुमार, बेकजान बेशेकीव, अखरोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई की कोशिश करते हुए दिखाया गया है, जो सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों में शामिल थे। डीएचएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगर आप इस देश के खिलाफ दुश्मनी भरी नीयत से आते हैं, तो यह जान लें हम अपना बचाव करेंगे। हम अमेरिकन मूल्यों की रक्षा करेंगे। हम अपने देश की रक्षा करेंगे। एक अन्य पोस्ट में ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइजी के मुख्य नायक ऑप्टिमस प्राइम को दिखाया गया है, जिसके हाथ पर डीएचएस का एक बैज लगा है। वह भूरी दाढ़ी वाले व्यक्ति का सामना करते हुए संदेश दे रहा है। श्खुद देश छोड़ दें या अंजाम भुगतें विज्ञापन में मिस्टर सिंह का जिक्र किए जाने की आलोचना हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और सिख कोएलिशन जैसे संगठनों ने की है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिंह हिंदू भी होते हैं, सिख भी और अमेरिकी भी। वे गाड़ी भी चलाते हैं। डीएचएस की तरफ से नस्लवादी, गैर–अमेरिकी और भारत–विरोधी प्रोफाइलिंगध ट्रोलिंग हमारे देश की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। एचएएफ ने असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल को टैग करते हुए कहा, श्यह एक फेडरल एजेंसी की भेदभावपूर्ण पोस्ट है जो राजनीतिक संदेश से कहीं आगे की बात है। हम इसकी जांच की मांग करते हैं। सिख कोएलिशन ने एकस पर एक पोस्ट में कहा, 9/11 के 25 साल बाद भी, सिखों को उनके रूप–रंग की वजह से निशाना बनाया जा रहा है और उनकी प्रोफाइलिंग की जा रही है। सिख कोएलिशन ने कहा, अमेरिका में लाखों सिखों का सरनेम श्सिंहश है, जिसका मतलब है शेर। हम सिख के तौर पर अपनी पहचान बताने में निडर रहते हैं। तब भी जब हमारी सरकार हमें दुश्मन के तौर पर दिखाती है। यह विवाद डीएचए के सीबीपी होम प्रोग्राम को बढ़ावा देने वाले अभियान के दौरान सामने आया है। इस प्रोग्राम के तहत, योग्य और बिना दस्तावेज वाले प्रवासी अपनी मर्जी से अमेरिका छोड़ने के इरादे का रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। डीएचए के अनुसार, जो लोग खुद देश छोड़ने (सेल्फ–डिपोर्टेशन) के लिए रजिस्ट्रेशन कराते हैं। उन्हें यात्रा में मदद और 2,600 अमेरिकी डॉलर का एग्जिट बोनस मिल सकता है।

क्या एआई इंसानों को ही खत्म कर देगा, एंथ्रोपिक के रिसर्चर के दावे ने क्यों बढ़ाई दुनिया की चिंता?

एआई की बढ़ती ताकत के साथ अब इसके खतरों को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। एआई रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से इस्तीफा देकर दावा किया कि एआई की दौड़ भविष्य में इंसानों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि जैकब कॉक्सन कौन हैं? उन्होंने क्या कहा? एंथ्रोपिन ने क्या जवाब दिया? एआई को लेकर पहले

कौन–कौन सी चेतावनियां दी जा चुकी हैं? एआई का इस्तेमाल विश्व में कैसे तेजी से बढ़ रहा है? एआई की रेस में भारत कहां है? जैकब कॉक्सन 27 साल के एआई रिसर्चर हैं। उन्होंने पिछले तीन साल में ओपनएआई और एंथ्रोपिक दोनों में प्री–ट्रेनिंग रिसर्च पर काम किया। प्री–ट्रेनिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें एआई मॉडल को बड़ी मात्रा में डेटा से प्रशिक्षित किया जाता है। कॉक्सन ने एंथ्रोपिक छोड़ने के बाद सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि एआई को लेकर जिस दिशा में काम हो रहा है, उससे वह चिंतित हैं। उनका कहना है कि एआई कंपनियां ऐसी सुपरइंटेलिजेंस बनाने की तरफ तेजी से बढ़ रही हैं, जो खुद को लगातार बेहतर कर सके।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

सऊदी को हूतियों के हमले से बचाने क्यों नहीं आए पाकिस्तान–तुर्किये, क्या नाकाम हो गया मक्का समझौता ?

यमन के विद्रोही– हूती संगठन की तरफ से सऊदी अरब पर लगातार हमले बोले जा रहे हैं। आलम यह है कि बैलिस्टिक मिसाइलोंऔर ड्रोन्स के भीषण हमलों से सऊदी अरब के कई अहम ऊर्जा ढांचों, हवाई अड्डों और यानबू शहर के बंदरगाह के करीब लाल सागर (रड सी) में वाणिज्यिक तेल टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा है। सऊदी अरब की तरफ से भी इन हमलों का जवाब देने की भरपूर कोशिश की जा रही है। हालांकि, हूतियों की ताकत के आगे फिलहाल सऊदी की रणनीति काम करती नहीं दिख रही। इस बीच पूरी दुनिया में एक ही सवाल गूंज रहा है। वह यह कि एक महीने पहले सऊदी अरब के नेतृत्व में तीन इस्लामिक देशों के बीच एक–दूसरे के बचाव के लिए जो मक्का समझौता हुआ था, उसका क्या हुआ? क्यों इस समझौते के तहत सऊदी के साथ गठबंधन बनाने वाले पाकिस्तान और तुर्किये अब उसकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं? एक परमाणु शक्ति होने के बावजूद पाकिस्तान क्यों सिर्फ धमकियों तक ही सीमित रह गया? उसके किस नेता ने क्या कहा है? सऊदी अरब पर हुए इन हमलों और लाल सागर में नौवहन बाधित होने का असर यह हुआ कि दुनियाभर में कच्चे तेल की आपूर्ति पर डर बैठ गया और यह +100 के पार चला गया। गौरतलब है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बीते महीने मक्का समझौता हुआ था। जब इस डील पर हस्ताक्षर हुए थे, तब दावा किया गया था कि यह पश्चिमी देशों के संगठन– नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की तरह ही होगा। यानी मक्का समझौते में शामिल किसी एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा और वे एक–दूसरे के बचाव के लिए आगे आएंगे। हालांकि, इस समझौते के सामने पहला परीक्षण एक महीने में ही सामने आ गया। इसके बावजूद न तो पाकिस्तान और न ही तुर्किये की तरफ से सऊदी को कुछ सैन्य मदद भेजी गई है। 2015 में पाकिस्तान की संसद– मजलिस–ए–शूरा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर यमन संघर्ष में पूरी तरह तटस्थ रहने का आदेश दिया था। यानी पाकिस्तान तब तक यमन के हूतियों को निशाना नहीं बना सकता, जब तक संसद कानून को न पलट दे या सरकार खुद संसदीय जनादेश का उल्लंघन कर दे। पाकिस्तान की कूटनीति के तहत भी उसकी सेना युद्ध में तब तक नहीं उतर सकती, जब तक सऊदी पर कोई बड़ा पारंपरिक हमला न हो जाए। इसके अलावा मुस्लिमों के पावन धार्मिक स्थल मक्का और मदीना पर कोई अस्तित्व से जुड़ा खतरा होने पर भी पाकिस्तानी सेना संघर्ष में कूद सकती है। यमन के हूती विद्रोही असल में शिया समुदाय से आते हैं, जो कि देश में सऊदी अरब की ओर से स्थापित की गई सुन्नी सरकार के खिलाफ जंग छेड़ रहे है। चूंकि ईरान एक शिया बहुल देश है, ऐसे में यमन की सुन्नी सरकार के खिलाफ वह हूती विद्रोहियों को कूटनीतिक और आर्थिक मदद मुहैया कराता रहा है। पाकिस्तान की ईरान के साथ करीब 900 किलोमीटर लंबी संवेदनशील सीमा है। ऐसे में ईरान–समर्थित हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से तेहरान के साथ संबंध बिगड़ने और पश्चिमी सीमा पर नया तनाव पैदा होने का जोखिम है। इतना ही नहीं पाकिस्तान में भले ही सुन्नी समुदाय का आबादी में वर्चस्व है, लेकिन यहां जनसंख्या में शियाओं की हिस्सेदारी भी करीब 15 से 20 फीसदी है। ऐसे में हूती विद्रोहियों पर कार्रवाई देश में ही मौजूद शिया समुदाय को नाराज कर सकती है और पाकिस्तान में अंदरूनी तनाव और सांप्रदायिक हिंसा बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है। पाकिस्तान की सेना पहले से ही अपनी पूर्वी सीमा पर भारत के खिलाफ साजिश रचने, पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान का सामना करने और घरेलू आतंकवाद से निपटने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसकी अर्थव्यवस्था भी लगातार संकट में बनी हुई है, जिससे उसकी युद्ध लड़ने की क्षमताएं सीमित हैं। तुर्किये के एक अधिकारी के मुताबिक, मक्का समझौता साफ तौर पर रक्षात्मक प्रकृति का है। यह तुर्किये के अन्य देशों के साथ पहले से मौजूद समझौतों या अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को कम नहीं करता। समझौते में एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा, जैसी भाषा का इस्तेमाल जरूर हुआ है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किसी सदस्य पर हमला होने पर अन्य सदस्यों को किस प्रकार की सैन्य कार्रवाई करनी होगी। यानी बतोलेबाजी से इतर मक्का समझौता नाटो के आर्टिकल 5 की तरह स्वतः युद्ध में शामिल होने की बाध्यता नहीं बनाता। तुर्किये और पाकिस्तान दोनों का प्राथमिक आर्थिक व सुरक्षा हित इस बात में निहित है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक न फैले। सीधे सैन्य हस्तक्षेप से पूरे क्षेत्र में व्यापक युद्ध भड़कने का जोखिम है। इस समझौते का मुख्य मकसद तीनों देशों– सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये की संयुक्त सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर एक कूटनीतिक और रणनीतिक रोकथाम का तंत्र बनाना है, न कि हर हमले के जवाब में सीधे मोर्चे पर युद्ध लड़ना। दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इन्हें कायरतापूर्ण बताया और कहा कि ये हमले आम नागरिकों के जीवन तथा क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति पाकिस्तान के दृढ़ समर्थन और एकजुटता को दोहराया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी को दिए एक साक्षात्कार के दौरान समझौते की शर्तों और पाकिस्तान की नीति को स्पष्ट किया।

पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध ?

ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी ध मकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार ध मकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुध वार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद तुरंत खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके। टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसमें उससे कहीं अधिक व्यापक मुद्दे शामिल होंगे।

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,श्मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है। वह किसी से आदेश नहीं लेता और किसी का प्रॉक्सी बनकर काम नहीं करता। मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आलोचना करते हुए बघाई ने वाशिंगटन से आग्रह किया कि अगर वह क्षेत्र में वास्तविक स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी सैन्य भागीदारी वापस लेनी चाहिए।

किंडरगार्टन में पुलिस अफसर ने की पत्नी की हत्या फिर घर में अपने को किया बंद, 18 घंटे बाद पकड़ा गया

बैंकॉक,एजेंसी। पूर्वी थाईलैंड में एक पुलिस अफसर ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पत्नी एक किंडरगार्टन में टीचर थी। घटना के बाद अफसर ने अधिकारियों के साथ रात भर चले गतिरोध के बाद गुरुवार को सरेंडर कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। प्रांतीय सरकार के अनुसार, चोनबुरी प्रांत के बांग लमुंग स्टेशन के अफसर ततसापोंग टोंगथैट ने बुधवार सुबह राजधानी बैंकॉक से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित नोंगप्लालाई म्युनिसिपल किंडरगार्टन की एक इमारत के अंदर अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद वह अपने घर भाग गया और पुलिस ने घर को घेर लिया। वह 18 घंटे तक चले गतिरोध के बाद सरेंडर करने तक घर के अंदर ही रहा। गोलीबारी के बाद स्कूल के सभी 44 छात्र सुरक्षित रहे। उन्हें अन्य शिक्षकों के साथ बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार तक कक्षाएं बंद कर दी गईं। थाईलैंड में स्कूल की सुरक्षा और बंदूक हिंसा पर तब से सवाल उठ रहे हैं, जब 7 अगस्त को 14 साल के एक लड़के ने अपने हाई स्कूल और घर पर गोलीबारी की थी। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी। 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद उसने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। बैंकॉक से 200 किलोमीटर (120 मील) उत्तर में स्थित कम्फेंग फेट प्रांत में 2 सितंबर को एक और 14 वर्षीय छात्र को गिरफ्तार किया गया। उसने अपने स्कूल में कई राउंड गोलियां चलाईं, लेकिन किसी को घायल करने में नाकाम रहा। बंदूक पर कड़े नियंत्रण की मांग तेज हो गई है और राष्ट्रीय सरकार ने बंदूक से जुड़े नियमों की समीक्षा का आदेश दिया है। इसमें बंदूक खरीदने के लिए नए परमिट पर रोक और मौजूदा परमिट की समीक्षा शामिल है। बंदूक से जुड़े कड़े कानूनों के बावजूद, एशिया में बंदूक रखने वालों की दर थाईलैंड में सबसे ज्यादा है। हालांकि बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं अभी भी कम होती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में थाईलैंड में हाई–प्रोफाइल हमलों में बढ़ोतरी देखी गई है।

विजय माल्या का बयान, भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले?

लंदन,एजेंसी भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, श्जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो। विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार किया था कि उनसे करीब घ14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को 14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है। इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।